जीवन एक संघर्ष है,
लेकिन जब तक हम
संघर्ष करते रहते हैं,
सफलता हमारे साथ
होती है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जनहित का सजग प्रहरी

जन जन जागरण

Web Site: www.janjanjagran.com भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित भोपाल, रविवार 27 अप्रैल 2025 वर्ष-31 अंक-255 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

ईरान के राजई बंदरगाह पर भीषण धमाका

नई दिल्ली। ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में शनिवार को एक भीषण धमाका और आग लगने की घटना हुई है। इस ब्लास्ट में घायलों की संख्या बढ़कर 516 तक पहुंच गई है। ये जानकारी ईरान की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता बाबक यक्तापेरस्त ने दी। हालांकि धमाके के करीब तीन घंटे बाद तक किसी भी मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं, प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने बताया कि धमाका काफी भयावह था। विस्फोट में घायल हुए लोगों की संख्या बढ़कर 516 हो गई है। घायलों में से कई लोगों को होर्मोज़गान प्रांत के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हसनजादेह के मुताबिक ये धमाका राजई बंदरगाह पर कंटेनरों की वजह से हुआ है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि अन्य टीमें क्षेत्र को खाली कराने में जुटी हैं।

कनाडा में मंदिर और गुरुद्वारे में तोड़फोड़

अमृतसर। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के दो प्रमुख धार्मिक स्थलों - लक्ष्मी नारायण मंदिर (सरे) और रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारा (वैंकूवर) में 19 अप्रैल की सुबह-सुबह तोड़फोड़ की गई। ये घटनाएं सुबह करीब 3 बजे हुईं। अब सरे पुलिस सेवा (एसपीएस) और वैंकूवर पुलिस विभाग (वीपीडी) ने इन घटनाओं को अंजाम देने वालों की सीसीटीवी तस्वीरें जारी की हैं। स्थानीय पुलिस ने जनता से अपील की है कि इस मामले से जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी उन्हें तुरंत दी जाए। खास तौर पर यह घटना 19 अप्रैल को हुई, जब बैसाखी के मौके पर स्थानीय इलाकों में बड़ी संख्या में नगर कीर्तन निकाले जाने थे। साफ है कि इस घटना को अंजाम देकर कनाडा में बसे हिंदू और सिख समुदाय के बीच सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश की गई।

पिकअप ने 11 लोगों को कुचला, 7 मरे

नूंह। हरियाणा के नूंह में शनिवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार पिकअप ने 11 लोगों को कुचल दिया, जिसमें 6 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में 4 महिलाएं गंभीर घायल हैं। हादसा इतना भयानक था कि कई शवों के 2 टुकड़े हो गए। ये सभी एक्सप्रेसवे पर सफाई का काम करने आए थे। मरने वालों में 4 महिलाएं एक ही परिवार की थीं। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। सूचना के बाद फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा में रखवाया।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 की मौत

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के देवबंद में शनिवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर 10 से ज्यादा लोग मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। इलाके को सील कर दिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पेंच टाइगर रिजर्व में मिला बाघ का शव

सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व के रूखड़ बफर जंगल के सघन वनक्षेत्र में गश्ती दल को शनिवार सुबह एक बाघ का शव मिला है। बाघ का शव कुछ दिन पुराना होने का अनुमान है, जिसके शरीर का अधिकांश हिस्सा सड़कर खराब हो गया है। जानकारी के अनुसार रूखड़ पूर्व बीट के जंगल में मासूलनाला के आगे सघन और दुर्गम क्षेत्र में मिले बाघ के शव का पोस्ट मार्टम कराने पेंच पार्क में पदस्थ वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा को मौके पर बुलाया गया है। वहीं डॉग स्क्वायड के अलावा पेंच के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह सहित वन अधिकारी और मैदानी अमले ने मौके पर पहुंचकर छानबीन प्रारंभ कर दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटते हुए कहा, आपके हाथों में है देश का भविष्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे और कहा कि आज भारत सरकार ने विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की नौकरियां दी हैं। ये महज नियुक्तियां नहीं हैं, बल्कि ये देश के भविष्य निर्माण की बड़ी शुरुआत है।

पीएम मोदी ने आयोजित रोज़गार मेला में देश के 51,000 से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने युवाओं को बधाई देते हुए उन्हें देश के भविष्य का निर्माता बताया और भारत की युवा शक्ति की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज भारत सरकार के विभिन्न विभागों में 51,000 से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरियां दी गई हैं। ये सिर्फ नियुक्ति पत्र नहीं हैं, ये राष्ट्र निर्माण के बड़े संकल्पों की शुरुआत हैं। उन्होंने अपने संबोधन में आईएमएफ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा, कि आज का समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलें।

Lucknow - Uttar Pradesh
PRAYAGRAJ - Uttar Pradesh
CGST-UTTARAKHAND
GHAZIABAD - UP

रोजगार के लाखों नए अवसर

प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए शुरू किए गए नए मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र भी किया। यहां उन्होंने कहा कि इससे एमएसएमई सेक्टर और लघु उद्यमियों को बल मिलेगा, साथ ही रोजगार के लाखों नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

नारीशक्ति की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी ने यूपीएससी परिणामों में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा, कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नौकरशाही से लेकर अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र तक, नारीशक्ति नई बुलंदियों को छू रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ग्रामीण महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं चला रही है, जैसे बैंक सखी, कृषि सखी और 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह जो देशभर में 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं।

विश्व मंच पर भारतीय युवाओं को मिलेगा अवसर

प्रधानमंत्री ने बताया कि जल्द ही भारत में वेव्स 2025 (विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन) का आयोजन होगा, जिसका केंद्र बिंदु भारत के युवा क्रिएटर्स होंगे। यह पहल भारत की रचनात्मक प्रतिभा को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रकार यह रोज़गार मेला केवल नौकरियों का उत्सव नहीं, बल्कि भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 'एमपी टेक ग्रोथ' कॉन्क्लेव-2025' का शुभारंभ

ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में 27 अप्रैल को होगा भव्य आयोजन, जुटेंगे देश-दुनिया के टेक-दिग्गज

मुख्यमंत्री जारी करेंगे कॉन्क्लेव में 4 नई टेक-पॉलिसी गाइडलाइन्स

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 अप्रैल को मध्यप्रदेश को टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार का केन्द्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' का शुभारंभ इंदौर के 'ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर' में करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का यह आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' प्रदेश का पहला पूर्णतः सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव होगा, जो फरवरी में भोपाल में आयोजित जीआईएस में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा। कार्यक्रम में Google, Microsoft, NVIDIA जैसी बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति-निर्माता और निवेशक शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में प्रदेश की चार नई तकनीकी नीतियों ङ्क लष्ट्ट नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं ङ्कलष्ट्ट-ङ्क्रनीति की गाइडलाइन्स जारी करेंगे।यह नीतियां नवाचार, अनुसंधान और निर्माण को प्रोत्साहित कर प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर तक तकनीकी उद्यमिता और क्षमताओं को नई ऊँचाइयाँ देंगी।

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव नए ङ्कझ पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और स्टार्ट-अप इन्क्यूबेटरों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और इन्क्यूबेशन हब का शुभारंभ करेंगे, प्रमुख निवेशकों के साथ एमओयू और आवंटन-पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे। इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। इस पोर्टल से निवेशकों को प्रोजेक्ट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग और सिंगल विंडो सिस्टम की सुविधा मिलेगी।

कॉन्क्लेव में सेक्टर-स्पेसिफिक राउंड टेबल मीटिंग्स, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार बोर्ड से वीसी संवाद और मुख्यमंत्री की टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी होंगी।

मध्यप्रदेश को भविष्य के डिजिटल भारत में अग्रणी बनाने और जीआईएस-भोपाल की निवेश प्रतिबद्धताओं को साकार करने की दिशा में 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

गुजरातभर में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 1000 से अधिक हिरासत में लिए गए

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की चेतावनी- घुसपैठियों को पनाह देनेवालों के खिलाफ भी होगी सख्त कार्रवाई

अहमदाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद गुजरात समेत देशभर सुरक्षा एजंसियां हरकत में आ गई हैं। एक ओर जहां केन्द्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटों के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर घुसपैठियों के खिलाफ भी स्थानीय पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। इसके तहत गुजरात में अब तक करीब एक हजार जितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लेकर उन्हें डिपोर्ट करने की कार्यवाही तेज कर दी है। बीती रात अहमदाबाद और सूरत में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू कर सैंकड़ों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र से पुलिस ने एक ही रात में 890 जितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में ले लिया। जिसमें 436 पुरुष, 240 महिला और 214 बच्चे शामिल हैं। जबकि सूरत से 132 घुसपैठिये हिरासत में लिए गए हैं। जिसमें 88 पुरुष और 44 महिला शामिल हैं। घुसपैठियों की तलाश में सूरत पुलिस ने शहर के ऊन, सचिन, लिंबायत, लालगेट, सलाबतपुरा इत्यादि क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

घुसपैठियों को लेकर गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने बड़ी चेतावनी दी है। हर्ष संघवी ने कहा कि घुसपैठियों को पनाह देनेवालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बंगाल के फर्जी दस्तावेज के आधार पर अलग अलग जगहों पर जांच की जाएगी। अहमदाबाद से 890 और सूरत से 134 बांग्लादेशी हिरासत में लिए गए हैं। हर्ष संघवी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गुजरात में घुसपैठियों के खिलाफ यह अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है।

ताबड़तोड़ एक्शन-लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 7 आतंकियों के घर मिट्टी में मिलाए

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बल के जवान आतंकियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं। बीती रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े सात आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया है। यह अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां, कुलगाम और पुलवामा जिलों में चलाया गया। शोपियां के छोटीपोरा गांव में लश्कर कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे का घर मलबे में तब्दील कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, कुट्टे पिछले 3-4 वर्षों से आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय था और कई हमलों का समन्वयक रहा है। वहीं, कुलगाम के मतलाम इलाके में सक्रिय आतंकी जाहिद अहमद का घर भी ढहा दिया गया।

बता दें कि पहलगाम आतंकवादी घटना के बाद सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे क्षेत्र में बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और आतंकियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलवामा के मुर्रन क्षेत्र में आतंकी अहसन उल हक का घर विस्फोट से उड़ाया गया। अहसन ने 2018 में पाकिस्तान में आतंकी प्रशिक्षण लिया था और हाल ही में घाटी में फिर से सक्रिय हुआ था। इसके अलावा, लश्कर आतंकी एहसान अहमद शेख का दो मंजिला मकान भी ध्वस्त कर दिया गया, जो जून 2023 से सक्रिय है। हैरिस अहमद के घर को भी उड़ा दिया गया। वह 2023 से आतंक में लिप्त है। पुलवामा के कचिपोरा स्थित घर को विस्फोट से उड़ाया गया।

इससे पहले गुरुवार रात को पहलगाम हमले में शामिल अदिल हुसैन और आसिफ शेख के घर भी विस्फोट से नष्ट किए गए। जानकारी के अनुसार, इनके घरों में विस्फोटक सामग्री भी रखी गई थी।

आपको बता दें कि अनंतनाग पुलिस ने गुरुवार को तीन आतंकियों के स्केच जारी किए थे। तीनों आतंकियों की सूचना देने वाले को 20 लाख के इनाम की घोषणा की गई है।घटना के दिन पहलगाम के मिनी स्विट्ज़रलैंड में अचानक गोलियों की बौछार शुरू हो गई। पर्यटक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे, लेकिन खुले मैदान में छुपने की कोई जगह नहीं थी। इस हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद कार्रवाई करते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान पर आतंकवाद के समर्थन का आरोप लगाते हुए सिंधु जल संधि निलंबित कर दी है और पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया है।

पाकिस्तान जाने वाली चिनाब नदी का पानी रोका, मंत्री ने कहा- एक बूंद भी नहीं देंगे

नई दिल्ली। भारत ने चिनाब नदी का पानी पाकिस्तान की ओर जाने से रोक दिया है, जिसका असर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में देखा जा रहा है। वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए।

चिनाब नदी पर बने बगलिहार जलविद्युत परियोजना के जरिए भारत ने नदी के पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है। इस कदम के बाद, पाकिस्तान के सियालकोट, पंजाब में स्थित मारला हेडवर्क्स के स्थानीय लोगों ने बताया कि चिनाब नदी में पानी का स्तर काफी कम हो गया है। चिनाब नदी पाकिस्तान के कृषि और पेयजल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाए। पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई निर्देश जारी किए हैं और उन पर अमल के लिए यह बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि शाह ने बैठक में इन निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा, "हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत से पानी की एक भी बूंद पाकिस्तान में न जाने पाये।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद अब कलकत्ता हाईकोर्ट का विवादित निर्णय

कोलकाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि नशे की हालत में नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट छूने की कोशिश करना, प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस एक्ट के तहत रेप की कोशिश नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इसे गंभीर यौन उत्पीड़न की कोशिश माना लेकिन आरोपी को जमानत दे दी। मामले की सुनवाई जस्टिस अरिजीत बनर्जी और जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की डिवीजन बेंच (खंडपीठ) कर रही थी। दरअसल, ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 और आईपीसी की धारा 448/376(2)(सी)/511 के तहत दोषी ठहराया था।

पहलगाम हमले के जिम्मेदारों को माकूल जवाब देगा भारत: नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को माकूल करारा जवाब देगा। यह हमला इस सप्ताह की शुरुआत में हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

यहां गणपति पूजा-अर्चना करने के बाद बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने मीडिया से कहा, कि पूरा देश उम्मीद करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हमले का कड़ा और प्रभावी जवाब देंगे। यहां बताते चलें कि यह आतंकी हमला कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में मौजूद रहे पर्यटकों पर हुआ था। इस दौरान आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी और कई लोग मारे गए थे। इस हमले को हाल के वर्षों में कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है।

नड्डा ने इस कायरतापूर्ण हमले पर गुस्से का इजहार करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर में इस कायरतापूर्ण हमले से पूरा देश दुखी और गुस्से में है। सभी की उम्मीदें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैं कि वे इस हमले का कड़ा और निर्णायक जवाब देंगे। उन्होंने कहा, गणपति बप्पा से आशीर्वाद लेने के लिए मैं यहां आया हूं, ताकि देश इस कठिन समय से उबर सके। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब दिया जाएगा।

» न्यूज कैप्सूल »

एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन प्रारंभ

कक्षा 7वीं, 8वीं, एवं 9वीं में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 06 मई

सीहोर। बुधनी तहसील के बांसपुर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल में सत्र 2025-2026 के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं, एवं 9वीं की रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए 08 मई 2025 को लेटरल एंट्री प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके परीक्षा के लिए ऐसे विद्यार्थी पात्र होंगे, जिन्होंने पहले कक्षा 6वीं, 7वीं एवं कक्षा 8वीं उत्तीर्ण कर ली है। प्रवेश के लिए आवेदन फार्म स्कूल से प्राप्त किया जा सकता है। विद्यार्थी अपना प्रवेश फार्म 26 अप्रैल 2025 से 06 मई 2025 के बीच प्रातः 07ः30 बजे से शाम 04ः30 बजे के बीच प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 06 मई 2025 है, और परीक्षा 08 मई 2025 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक आयोजित होगी।

इसके साथ ही कक्षा 11वीं के (विज्ञान, वाणिज्य एवं कला) संकाय की रिक्त सीटों पर जो इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने के 15 दिवसों के भीतर स्कूल से आवेदन प्राप्त कर आवेदन स्कूल में जमा कराना होगा। कक्षा 11 वीं में प्रवेश की प्रक्रिया मेरिट के आधार पर की जाएगी तथा सीबीएससी बोर्ड के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मौसी की शादी में आए मासूम की कार की टक्कर से मौत

शिवपुरी। गोवर्धन थाना क्षेत्र के ग्राम गणेश खेड़ा में पोहरी-मोहना हाईवे पर शनिवार सुबह मौसी की शादी में आए 4 साल के मासूम की कार की टक्कर से मौत हो गई। 4 साल के राघव का ननिहाल ग्राम गणेश खेड़ा हाईवे किनारे है। शनिवार सुबह करीब 8 बजे वह अपने नाना के घर के बाहर खड़ा था। इस दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में राघव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि राघव श्योपुर जिले के कराहल का रहने वाला था। उसके पिता का नाम बसंत कुशवाह है। वह गणेशखेड़ा में माता-पिता के साथ अपनी मौसी की शादी में शामिल होने आया था। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

आरा मशीन की चपेट में आने से वर्षीय मजदूर की मौत

भिंड। भिंड के दबोहा गांव में शनिवार सुबह आरा मशीन की चपेट में आने से 63 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक कैलाश चंद्र मिश्रा जो नया अबादी पुरा, पुराना पचासा में रहते थे और मूल रूप से उमरिया जिले के चंदिया गांव के निवासी थे।

शनिवार सुबह साढ़े सात बजे कैलाश मिश्रा बिजपुरी रोड स्थित पप्पू झा की आरा मशीन पर अपने नियमित काम पर गए थे। काम के दौरान वे किसी तरह आरा मशीन के पट्टे में उलझ गए, जिससे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

बुजुर्ग महिला के गले से चेन खींच ले गए बदमाश

ग्वालियर। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सरस्वती स्कूल के पास टहलने निकले 62 वर्षीय होटल संचालक की बुजुर्ग मां से बाइक सवार एक बदमाश झपट्टा मारकर सोने की सवा तोला वजनी सोने की चेन लूट ले गए। घटना का शिकार पीड़ित ने शोर मचाया और लुटेरे के पीछे भागे, लेकिन वह भाग निकला। मामले का पता चलते ही पुलिस ने शहर की नाकाबंदी कराई, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आया है। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के फोर्ट व्यू कालोनी निवासी 62 वर्षीय प्रताप पटेल पुत्र किशन लाल पटेल होटल संचालक है और महाराज बाड़ा पर उनका प्रिंस होटल है। रोजाना सुबह वह अपनी 85 वर्षीय मां कुवर देवी पटेल को वॉक के लिए लेकर जाते हैं। वह बुजुर्ग मां को लेकर निकले थे। वॉक करने के बाद जब उनकी मां को हल्की थकावट हुई तो उन्होंने सस्थती स्कूल के पास उनकी मा बैठ गई,

जबकि यह वहीं पर टहलने लगे। इसी बीच एक बाइक सवार आया और उनकी मां के गले में चेन देखकर उनके पास ठहरा और झपट्टा मारकर सोने की चेन लूटकर भाग निकला।

सामूहिक विवाह सम्मेलन गाडरवारा में हुआ 91 जोड़ों का विवाह

मंत्री श्री सिंह ने नवदम्पतित्यों को आशीर्वाद दिया

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई विवाह की रस्में

नरसिंहपुर। स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन गाडरवारा में शामिल हुये। यहाँ विधि विधान से विवाह की सभी रस्में सम्पन्न कराई गई। इसके पहले सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बारातियों का स्वागत किया। समारोह में परिणय सूत्र में बंधे जोड़ों को मंत्री श्री सिंह ने नवदम्पतित्यों को आशीर्वाद दिया। मंत्री श्री सिंह ने नव दाम्पत्तियों को उपहार सामग्री भेंट की। जनप्रतिनिधियों ने बधाई भी दी और उनके सुखी दाम्पत्य जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंधे प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का सामान खरीदने 49 हजार रुपये की राशि के स्वीकृति पत्रों का वितरण भी किया गया। यह राशि परिणय सूत्र में बंधी कन्याओं के बैंक खाते में जमा कराई जायेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार ने कैबिनेट में फैसला करके इन वैवाहिक कार्यक्रमों को और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अब कम से कम 11 और अधिकतम 200 वैवाहिक जोड़े होने पर सरकार आयोजन कर सकती है।बेटियो को बोझ न मानें और इसी सोच का नतीजा था कि लाडली लक्ष्मी, कन्या विवाह, प्रतिभा किरण, लाडली बहना जैसी अनेक क्रांतिकारी योजनाएं बनाकर उन्हें जमीन पर उतारा गया है।इनकी जिंदगी कैसे बेहतर और सुखी हो, हम इस कोशिश में लगे हुए हैं।सरकार की यह सोच है कि बेटियों के हाथ पीले करने में माता-पिता को कर्ज न लेना पड़े और बड़े धूमधाम से उनकी शादी हो।

मंत्री श्री सिंह ने बताया कि सरकार ने सभी वर्गों की चिंता की है।बच्चों की पड़ाई, यूनिफार्म, स्कूल जाने के लिए साईकिल के साधन, सीएम राइज में पड़ता है तो बस से स्कूल भेजने का काम, बच्चों को स्कालरशिप, हॉस्टल की सुविधा सारी व्यवस्थाएं हमारी सरकार देती है।

नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा शिवाकांत मिश्रा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती ममता पांडे, मिनेन्द्र डागा, अन्य जनप्रतिनिधि, एएसपी संदीप भूरिया, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती ब्यारे, अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

स्वस्थ लोग, समृद्ध समाज की ओर एक सशक्त कदम ट्राइडेंट ग्रुप का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

आयुष्मान आरोग्य मंदिर
उप स्वास्थ्य केन्द्र
पीलीकरार

नर्मदापुरम। ट्राइडेंट ग्रुप की सीएसआर इकाई, ट्राइडेंट ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के अंतर्गत हेल्थ ऑन व्हील मोबाइल एम्बुलेंस परियोजना की शुरुआत मधुबन अस्पताल के सहयोग से की गई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को सहज, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसमें ट्राइडेन्ट ग्रुप के चेयरमैन पद्मश्री राजिंदर गुप्ता एवं सीएसआर प्रमुख मधु गुप्ता के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मधुबन अस्पताल बुधनी के निदेशक डाक्टर सीए हैरिसन सहित सभी अनुभवी डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ,सीएसआर टीम के साथ ही ग्राम पंचायत पीलीकरार के सरपंच, सचिव एवं गांव के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। शनिवार को पीलीकरार गांव में आयोजित एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 102 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने 52 ग्रामीणों का बीपी,शुगर और हीमोग्लोबिन (।ह्ब) की जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया। गंभीर मामलों के लिए रेफरल और मोबाइल एम्बुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध रहीं।

ट्राइडेंट ह्यूमैनिटी फाउंडेशन ग्रामीण भारत के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी ऐसे शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को घर-घर पहुंचाने का संकल्प दोहराता है।

नल जल योजना का कड़वा सच 129 करोड़ खर्च फिर ग्रामीण जल को तरस रहे

नल जल का सच
जल जीवन मिशन
क्षमता-50,000 लि.
जल जीवन मिशन

बुरहानपुर। वर्ष 2019 में जिले में 129 करोड़ से नल जल योजना की शुरुआत की गई इसके पहले चरण में जिले की सभी ग्राम पंचायत में टंकियो का निर्माण और पाइप लाइन बिछाकर हर घर नल और स्वच्छ जल पहुंचना इस योजना का मुख्य उद्देश्य था केंद्र की इस योजना में 129 करोड़ खर्च हुए देश में बुरहानपुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया प्रशासनिक अधिकारियों ने खूब वाह वाही लूटी राष्ट्रपति से सम्मानित हुए लेकिन धरातल का सच यह है कि जिले ग्राम पंचायत में आज भी पेयजल को तरस रही है कोसों पैदल चलकर ग्रामीण महिलाएं पेयजल की जुगाड़ कर रही है ग्रामीण आज भी गड्ढे खोदकर उस से मठ मैला दूषित जल पीने को मजबूर है शासन की नल जल योजना के घरों के बाहर लगे नल और ग्राम में पानी की टंकियां इस योजना का मखौल उड़ा रही है जिले में भीषण गर्मी का दौर है पारा 44 डिग्री पार कर चुका है लेकिन राजनेता केवल राजनीति में लगे हैं नल जल योजना का ग्रामीणों को लाभ नहीं मिला इस पर उनका कोई ध्यान नहीं है अब भीषण गर्मी में पेयजल को लेकर कलेक्टर स्वयं मैदान में है संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ग्रामीण अंचलों में पानी पहुंचाने के निर्देश दे रहे हैं लेकिन जिले भर में नल जल योजना की 100ब्र सफलता और लक्ष्य पूर्ति के बाद भी समस्या क्यों आ रही है इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है आखिर 129 करोड़ खर्च होने के बाद भी ग्रामीण क्यों प्यासे है क्या यही इस योजना का सच है।

हज यात्रियों के लिए लगा विशेष टीकाकरण कैंप, 419 हाजियों को लगाया टीका

धार। इस वर्ष जिले से पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए विशेष टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें यात्रियों को स्वास्थ्य की जांच, टीकाकरण, और महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

धार में है 2025 के लिए हज कमेटी आफ इंडिया के निर्देशानुसार एकदिवसीय प्रशिक्षण और टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया रबिका मैरिज हॉल मोहन टॉकीज में आयोजित शिविर में 419 महिला पुरुषों शामिल हुए हज ट्रेनर्स ने यात्रियों को हज के अरकान और यात्रा संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी प्रतिभागियों का टीकाकरण किया हज कमेटी के सैयद रियाज अली ने बताया कि यात्रियों को सफेद बैकग्राउंड वाला पासपोर्ट साइज फोटो हज कवर स्टेटस और मेडिकल सर्टिफिकेट लाना अनिवार्य था

युवा चिकित्सक समाजसेवी डॉक्टर जमील शेख ने यात्रा की चुनौतियों की जानकारी दी धार जिले से इस वर्ष सैकड़ो हाजी यात्रा पर जाएंगे कुछ जीने प्रशिक्षण और टीकाकरण करवाया गया तथा हज यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाली जरूर की मेडिसिन लाइफ केयर हॉस्पिटल के माध्यम से निःशुल्क होम्योपैथिक एलोपैथिक मेडिसिन बॉक्स कीट उपलब्ध कराई गई

कैंप में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक हुए सम्मानित जिले में इसके पूर्व 22 अप्रैल को डॉ जमील शेख युवा मोर्चा उपाध्यक्ष के नेतृत्व में एक कैंप का आयोजन किया गया था जिसमें हाजियों को हज से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम और डॉक्टर को हज वेलफेयर सोसाइटी और लाइफ केयर हॉस्पिटल नेतृत्व में सम्मानितकिया गया

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राकेश शिंदे के द्वारा टीकाकरण के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा हज यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें टीकाकरण करने के साथ ही पॉलियो दवाई पिलाई गई।

गेस अथारिटी आफ इंडिया द्वारा ऑफ-साइट मॉक ड्रिल आयोजित

झाबुआ। गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (गेल) झाबुआ द्वारा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन दुर्घटना की स्थिति में अपनी आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) झाबुआ के सहयोग से शुक्रवार को ढेबर-बड़ी गांव झाबुआ में ऑफसाइट आपातकालीन मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजन का संचालन गेल झाबुआ के महाप्रबंधक प्रबुद्ध मजूमदार ने किया।

आयोजन में आसपास के प्रभावित लोगों, गेल सहित जिला प्रशासन के विभागों जैसे अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य, यातायात, बीपीसीएल, आईओसीएल, पर्यवेक्षक और डीडीएमए सहित लगभग 576 कर्मियों ने आपातकालीन ड्रिल में भाग लिया।

गेल झाबुआ के महाप्रबंधक, प्रबुद्ध मजूमदार ने आयोजित माक ड्रिल के संबंध में कहा कि एक घंटे के उक्त मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य ऐसी किसी भी आपदा के दौरान आवश्यक संसाधनों की प्रभावकारिता और पर्याप्तता का मूल्यांकन और जांच करना, गेल और अन्य प्रतिक्रिया एजेंसियों की तकनीकी टीम की तत्परता की समीक्षा करना और गेल झाबुआ की आपदा एवं आपातकालीन तैयारी प्रणालियों में सुधार करना था। ड्रिल के दौरान एसडीआरएफ टीम की मदद से कुल 213 ग्रामीणों को आस-पास के इलाकों से निकाला गया।

मजूमदार ने कहा कि आपातकालीन माक ड्रिल में गैस बादल के कई विस्फोटों का एक मॉक परिदृश्य बनाया गया। यह परिदृश्य गैस बादल की 36-इंच गैस पाइपलाइन सी एच नंबर 304 अनास 2 से मोहनकोट पाइपलाइन, ढेबर-बड़ी गांव में लगातार गैस रिसाव के कारण बना था। मॉक ड्रिल का मुख्य बिंदु ग्रामीणों के बीच भूमिगत गैस पाइपलाइनों के पास क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूकता फैलाना है। सभी एजेंसियों ने उत्कृष्ट समन्वय के साथ मिलकर काम किया है।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भाजपा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के नेतृत्व में किया पुतला दहन

26 मासूम पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा गोली मारकर हत्या करने के विरोध में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शहर के मोहन टॉकीज चौराह पर आतंकवाद का पुतला दहन कर विरोध जताया

पाकिस्तान मुर्दाबाद
हिन्दुस्तान जिंदाबाद
हिन्दुस्तान जिंदाबाद
हिन्दुस्तान जिंदाबाद
हिन्दुस्तान जिंदाबाद
हिन्दुस्तान जिंदाबाद

धार। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में घूमने गए 26 मासूम पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा गोली मारकर हत्या करने के विरोध में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शहर के मोहन टॉकीज चौराह पर पाकिस्तान सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। इस दौरान लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गुरुवार को शहर के मोहन टॉकीज चौराह पर डॉ जमील शेख जहांगीर लाला जाकिर पटेल पलवाड़ा तत्वाधान में पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष डॉ जमील शेख ने कहा हमारी माटी ने अमन भाईचारा प्रेम का संदेश देने वाले महात्मा बुद्ध को हमें दिया है। जलियांवाला बाग हत्या कांड को अंजाम देने वाले जनरल डायर को उसके घर में घुसकर सजा देने वाले वीर शहीद उधम सिंह भी इसी धरती पर जन्म लिए है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष जहांगीर लाला ने देश के रहनुमाई करने वाले प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से आतंकवादियों को जवाब देने की मांग की है। कहा कि आतंकवादियों की कोई जाति धर्म नहीं होती है। यह मानवता से पड़े है। मानव हित में पूरी दुनिया से आतंकवाद का खात्मा आवश्यक है।इस दौरान जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष जाकिर पटेल पलवाड़ा पूर्व पार्षद बाला बागवान मोर्चा के आसिफ मकरानी सईद अनवर हाजी पटेल अशफाक पटेल मंगजपुरा सोहेल खान बिल्ला टायशन बैग फिरोज खान,आदि ने घटना की घोर निंदा की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम खजूरिया कला में नदी घाट पर साफ सफाई की गई

सीहोर। राज्य शासन के निर्देशानुसार सीहोर जिले के ग्राम खजूरिया कला मे म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड सीहोर द्वारा 30 मार्च से 30 जून 25 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम खजूरिया कला में जल संरक्षण से संबंधित नदी घाट पर साफ सफाई की गतिविधि आयोजित की गई हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत ग्राम में जल स्त्रोतों की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदीप सिंह सेंगर विकासखंड समन्वयक, म.प्र. जन अभियान परिषद, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि अनिल सक्सेना, मेन्टर्स रवि कुमार सोनी, जितेन्द्र परमार, सीएमसीएलडीपी छात्र शैलेन्द्र चंद्रवंशी, प्रस्फुटन समिति सदस्यों नारायण सिंह गौर, जमना प्रसाद रघुवंशी, राधेश्याम रघुवंशी, मुकेश, बल्ला रघुवंशी, प्रदुमन गौर, राहुल गौर, दीपक गौर, सचिन गौर, शुभम गौर, अतुल गौर एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

अब बीटा थैलेसीमिया की रोकथाम पर फोकस

भोपाल। एम्स भोपाल और ईको इंडिया के बीच स्वास्थ्य पेशेवरों के क्षमता-विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य संस्थान के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को चिकित्सा ज्ञान और व्यवसायिक कौशल से लैस करना है।

ईको इंडिया पार्टीसिपेटरी लर्निंग मॉडल के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका के क्षेत्र में नवाचार ला रहा है। संगठन मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सहयोग से बीटा थैलेसीमिया और अन्य हीमोग्लोबिन विकारों की रोकथाम और नियंत्रण पर भी कार्यरत है।

एम्स की ओर से डीन (अनुसंधान) डॉ. रेहान-उल-हक और ईको इंडिया की ओर से उपाध्यक्ष (परियोजना) डॉ. संदीप भल्ला ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण सत्र, ज्ञान-विनिमय बैठकें और वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह पहल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सतत व्यवसायिक विकास को सशक्त बनाएगी।

अब मप्र में अपनी जमीन तैयार करेगा अपना दल (एस)

भोपाल। मप्र में अपनी संगठनात्मक ताकत को और मजबूत करने के लिए अपना दल (एस) 27 अप्रैल को भोपाल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने जा रहा है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी के सदस्यता अभियान को गति प्रदान करना और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा करना है। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ. अखिलेश पटेल के मार्गदर्शन में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम करेंगे। इस बैठक में प्रदेशभर के कार्यकर्ता, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष भी शामिल होंगे।

डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा कि यह बैठक मध्य प्रदेश में पार्टी की जमीनी स्तर पर पहुंच को और सशक्त करेगी। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के हमारे संकल्प को मजबूत करना है। डॉ. अतुल मलिकराम ने बताया कि बैठक में सदस्यता अभियान के तौर-तरीकों, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा होगी। यह बैठक पार्टी के लिए मध्य प्रदेश में एक नई ऊर्जा का संचार करने का अवसर होगी। बता दें कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने 14 अप्रैल आंबेडकर जयंती के मौके पर उत्तर प्रदेश से सदस्यता अभियान की शुरुआत की, अब उन्ही के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में भी सदस्यता अभियान को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत हजारों की संख्या में नए सदस्यों को जोड़ा गया है। वहीं आगामी बैठक में सदस्यता अभियान को रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाने पर चर्चा होने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल, अपना दल (एस) अब मध्य प्रदेश में भी अपनी सक्रियता बढ़ा रहा है।

निजी स्कूलों में 5 मई से होंगे आरटीई से एडमिशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में नए शिक्षा सत्र के लिए निजी स्कूलों में गरीब बच्चों को एडमिशन दिलाने राज्य शिक्षा केंद्र ने टाइम टेबल जारी कर दिया है। 5 मई 2025 को नि:शुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट का पोर्टल पर प्रदर्शन होगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि सुधार का कार्य 7 मई से 21 मई तक किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने जिला कलेक्टर्स और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश देकर कहा है कि प्रदेश में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्यवाही पारदर्शी तरीके से की जाएगी। इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश की प्रक्रिया का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। शिक्षण सत्र 2025-26 में 5 मई से प्रवेश प्रक्रिया की कार्यवाही शुरू की जा रही है। कैलेंडर के अनुसार 5 मई, 2025 को नि:शुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट का पोर्टल पर प्रदर्शन होगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि-सुधार का कार्य 7 मई से 21 मई तक किया जाएगा।

आवेदन के बाद सत्यापन का कार्य शासकीय जन-शिक्षा केंद्र में 7 मई से 23 मई तक होगा।

विधायक प्रदीप पटेल को लेकर भाजपा सख्त

प्रदेश भाजपा दफ्तर किए गए तलब, इधर सागर महापौर को नोटिस जारी

भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पार्टी नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक की शुरुआत मऊगंज के भाजपा विधायक प्रदीप पटेल के मुद्दे से हुई, जो अपनी गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय पुलिस थाने पहुंचे थे। वहीं भाजपा संगठन ने अनुशासन हीनता के चलते सागर महापौर संगीता तिवारी को नोटिस जारी किया है।

दरअसल, विधायक प्रदीप पटेल ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी उनकी गिरफ्तारी की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले ने पार्टी में हलचल पैदा कर दी, जिसके चलते उन्हें भाजपा प्रदेश दफ्तर तलब किया गया। बैठक में फटकार के बाद प्रदीप पटेल ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। विधायकों को सेल्यूट वाले फैसले को उन्होंने अच्छा बताया।

बैठक में इन विषयों पर हुई चर्चा

बैठक में विधायकों के बिगड़ते बोल और स्थानीय मामलों को लेकर अनियमितताओं पर चर्चा की गई। विधायकों को अनुशासन का पाठ पढ़ाने का निर्णय लिया गया, ताकि वे संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। कई अन्य विधायकों, जैसे प्रीतम लोधी और विजयपाल सिंह को भी इस बैठक में तलब किया गया, जिन्होंने पुलिस कार्रवाई और स्थानीय मुद्दों को लेकर सवाल उठाए थे। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीतासरण शर्मा को भी बुलाने की खबर है, जिन्होंने कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाए थे। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्य पद्धति का ऑर्गेनाइजेशन है। जनप्रतिनिधि हो या पदाधिकारी हो, समय-समय पर जब कोई ऐसी बात होती है, तो हम उनसे बातचीत करते हैं। आज दोनों विधायक और मेयर को बुलाया था उनसे बातचीत हुई है। प्रदीप पटेल हमारे विधायक हैं, वरिष्ठ नेता हैं। प्रीतम लोधी बाहर थे, जिसके कारण नहीं आ पाए। उनसे शाम में बात होगी।

अनुशासनहीनता नहीं होगी बर्दाश्त

वीडी शर्मा ने कहा कि देवास की महापौर से भी बातचीत हुई है। सागर की मेयर को भारतीय जनता पार्टी नोटिस दिया है। पद्धति के अनुसार बातचीत कर रहे हैं। अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। चाहे कोई भी हो अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। सांसद-विधायकों को सैल्यूट करने वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि हम कानून के बल पर सम्मान नहीं चाहते। सांसद, विधायक कर्तव्य और व्यक्तित्व से सम्मान पाते हैं। हर व्यक्ति को उनके व्यक्तित्व के आधार पर सम्मान मिलता है। पाकिस्तानी नागरिकों भारत से बाहर करने पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढ-ढूंढकर बाहर निकल जाएगा। देश में एक भी नहीं बचेगा। पीएम मोदी के साथ देश की जनता खड़ी है। सरकार हर तरीके से तैयार है, उन्हें जवाब मिलेगा।

लव जिहादियों को छांट-छांट के निकलेंगे

धर्म परिवर्तन वाले गैंग के मामले पर उन्होंने कहा कि पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है, उसकी गहराई तक जाएंगे। लव जिहादियों को छांट-छांट के निकलेंगे। सीएम ने चर्चा की गई है उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। जहां भी होंगे नहीं बचेंगे। इनके जीवन को नरक बनाया जाएगा।

मप्र में अप्रैल में 83,659 आग की घटनाएं

90 प्रतिशत पराली से जुड़ी, भोपाल संभाग टॉप पर

भोपाल। गेहूं उत्पादन में मध्य प्रदेश का देश में दूसरा स्थान है, लेकिन फसल की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने में मध्य प्रदेश टॉप पर है। यह बहुत चिंता की बात है। मध्य प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 के बीच प्रदेश में आग की 83,659 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 90 प्रतिशत पराली जलाने के मामले हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा आग की घटनों में भोपाल संभाग 20 हजार से ज्यादा मामलों के साथ टॉप पर है। यहां पर भी रायसेन जिला और विदिशा जिले में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। सरकार ने पराली जलाने पर रोक लगाने के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिलों में कलेक्टर जुर्माना के साथ ही एफआईआर तक की कार्रवाई कर रहे है। इसके बावजूद पराली जलाने के मामले कम नहीं हो रहे है, जिसका सीधा असर वायु गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

जुर्माना और एफआईआर की कार्रवाई

इन घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न जिलों में निगरानी और कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी है। जिला प्रशासन, पर्यावरण विभाग की संयुक्त टीमें लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रही हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि पराली जलाने की जगह वैकल्पिक उपाय जैसे कि मल्चर मशीन, कंपोस्टिंग, और खेत में अवशेष दबाने जैसी तकनीकें अपनाई जानी चाहिए। प्रशासन द्वारा भी किसानों को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू किए गए हैं। साथ ही प्रशासन लाउड स्पीकर से जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

संभागवार आग की घटनाओं के प्रमुख आंकड़े

(1 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक)
भोपाल संभाग- 20,833
जबलपुर संभाग - 13,448
सागर संभाग - 10,529 मामले
उज्जैन संभाग - 8,694 मामले
ग्वालियर संभाग - 8,648 मामले
इंदौर संभाग - 7,072 मामले
होशंगाबाद संभाग - 5,133 मामले
रीवा संभाग - 3,967 मामले
शहडोल संभाग - 3,270 मामले
चंबल संभाग - 2,065 मामले।

सस्ता हुआ सबसे अच्छा गेहूं

शरबती की हुई अच्छी पैदावार, नहीं मिल रहे भाव

भोपाल। गेहूं की सबसे अच्छी वेरायटी माना जाता शरबती गेहूं सस्ता हो गया है। गेहूं की अन्य कुछ किस्मों की कीमतें भी कम हुई हालांकि कुछ सामान्य किस्मों के दाम बढ़े भी हैं। व्यापारियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से शरबती छोड़कर अन्य गेहूं के भाव में बढ़ोतरी हुई है। इससे किसानों का तो फायदा हो रहा है लेकिन आम उपभोक्ताओं को महंगा गेहूं खरीदना पड़ रहा है। दामों के उतार चढ़ाव के बीच मंडी में गेहूं की आवक भी कुछ कम हो गई है।

देश में गेहूं उत्पादन 115 मिलियन टन (एमटी) से अधिक होने का अनुमान लगाया है, वहीं फ्लोर मिल संचालकों को यह लगभग 110 एमटी तक होने की उम्मीद है। इस साल गेहूं की फसल अच्छी होने से रसोई में रोटी अच्छी फूलने वाली है। इसकी वजह गेहूं की अच्छी फसल होने के साथ-साथ दामों में कमी होना भी है। शरबती गेहूं का बाजार इस समय 5000-5500 रुपए प्रति क्विंटल चल रहा है, वहीं बीते साल शरबती गेहूं ने 6000 रुपए प्रति क्विंटल का आंकड़ा छू लिया था। हालांकि गेहूं कारोबारियों का मानना है कि फिलहाल दामों में वृद्धि नहीं होगी, लेकिन दिवाली के आसपास इसमें तेजी दिख सकती है। ग्वालियर सहित प्रदेशभर में गंजबासौदा, सीहोर, अशोकनगर और आष्टा जैसी जगहों से गेहूं की आवक होती है।

मप्र में इस साल 21.3 प्रतिशत होगा उत्पादन

देश में इस बार रबी सीजन 2024-25 में गेहूं का बंपर उत्पादन होने का अनुमान जताया गया है। केंद्र सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी सूची में गेहूं उत्पादन में पहले की तरह उत्तर प्रदेश 31.7 प्रतिशत उत्पादन हिस्सेदारी में टॉप पर हैं। मप्र 21.3 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं तीसरे नंबर पर पंजाब 14.7 प्रतिशत, चौथे पर हरियाणा 10 प्रतिशत और पांचवे पर राजस्थान 9.6 प्रतिशत है। मप्र दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल का कहना है कि इस बार राज्य में गेहूं का उत्पादन गत वर्ष से कहीं ज्यादा हुआ है। सरकार और व्यापारी के पास भी काफी स्टॉक है। मुझे नहीं लगता कि आगे गेहूं में कोई तेजी आएगी। जहां तक गेहूं से बनने वाले उत्पादों की बात है तो यह कंपनियों के ऊपर निर्भर है।

चार माह बाद भी नहीं बनी एक नाम पर सहमति

अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ होगी प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा

भोपाल। मप्र में पिछले तीन माह से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन पार्टी अभी तक किसी एक नाम पर मुहर नहीं लगा पाई है। वहीं भाजपा सूत्रों का कहना है कि अब पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा कुछ दिन और नहीं होने की संभावना है। ऐसे में कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही अब प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि मप्र में भाजपा के लिए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव अबूझ पहेली बनता जा रहा है। जिलाध्यक्षों के नाम घोषित होने के बाद प्रदेश को नया अध्यक्ष मिलने की संभावना थी, लेकिन यह इंतजार बढ़ता जा रहा है। जातिगत, राजनीतिक, क्षेत्रीय सहित विभिन्न समीकरणों को टटोलना के बाद जो नाम सतह पर आए भी थे, उन्हें लेकर भी चर्चाएं थम चुकी हैं। तय माना जा रहा है कि अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष का नाम सामने आएगा।

गौरतलब है किभाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की जगह कौन लेगा, इसको लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष की रेस में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया, बैतूल से विधायक हेमंत खंडेवलवाल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और राज्यसभा सदस्य सुमर सिंह सोलंकी के नाम चर्चा में है। वीडी शर्मा के कार्यकाल को पांच साल हो गए है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत और लोकसभा चुनाव में पहली बार सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की। वीडी शर्मा को संगठन केंद्र में बड़ी भूमिका दे सकता है। प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग से मुख्यमंत्री के होने के चलते सामान्य या ब्राह्मण वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनाने की अटकलें लगाई जा रही है। हालांकि संगठन आदिवासी चेहरे को भी मौका दे सकता है। इसका कारण लंबे समय से आदिवासी नेता को प्रदेश की कमान नहीं सौंपी गई है। एससी वर्ग से सत्यनारायण जटिया प्रदेश अध्यक्ष बने, लेकिन आदिवासी वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। इसका एक कारण जातिगत समीकरण को ध्यान रखते हुए आदिवासी वर्ग को मौका देना भी माना जा रहा है। प्रदेश में ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री होने के अलावा डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ब्राह्मण और जगदीश देवड़ा एससी वर्ग से आते हैं। वीडी शर्मा सामान्य वर्ग से आते हैं।

नहीं हो पाया प्रधान का दौरा

जनवरी में चुनाव अधिकारी बनाए गए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रदेश दौरा भी नहीं बन पाया। उन्होंने किसी नाम पर सहमति बनाने के प्रयास किए हों या रायशुमारी का दौर चला हो, ऐसे प्रयास भी सामने नहीं आए हैं। पार्टी नेताओं का अनुमान है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति के बाद मप्र और उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों के अध्यक्षों के नाम घोषित होंगे, लेकिन अब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम भी तय नहीं हो सका है। यह पहला अवसर है, जब भाजपा के संगठन चुनाव में बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और जिलाध्यक्षों के चुनाव के चार महीने बाद भी प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर संगठन खाली हाथ है। पार्टी सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बड़े कद के नेता कम हैं इसलिए वहां हाईकमान ने निर्णय कर दिया, लेकिन मप्र में मामला उल्टा है।

दिग्गजों से नहीं हुई अभी तक रायशुमारी

गौरतलब है कि भाजपा में परंपरा है कि सभी नेताओं से रायशुमारी के बाद ही किसी नाम पर मुहर लगाई जाती है। प्रदेश में अभी तक दिग्गज नेताओं से रायशुमारी नहीं हो पाई है। यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर, जयभान सिंह पवैया, कैलाश विजयवर्गीय और राकेश सिंह जैसे नेताओं की राय को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। देरी की एक वजह इन दिग्गजों से रायशुमारी नहीं होना भी है। सत्ता और संगठन में बदलाव के बाद पुराने चेहरों की चिंता अपना किला बचाने की है, तो जिन्हें पीढ़ी परिवर्तन के चलते मौका मिला है, वे अपनी जमीन मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव की सहमति भी प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर मायने रखती है। पार्टी नेताओं के अनुसार यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच भी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चाएं हो चुकी हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्णय कुछ समय के लिए टल सकता है।

कहां अटका है प्रदेश अध्यक्ष का फैसला

जानकारों का कहना है कि मप्र में भाजपा अध्यक्ष का फैसला अब से पहले पोखरण विस्फोट की तरह होता रहा है। दिवंगत नेता प्रभात झा को हटाने और नरेन्द्र सिंह तोमर को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने का पूरा घटनाक्रम ऐसा ही था। ये पहली बार है कि प्रदेश अध्यक्ष का निर्णय लेने मे पार्टी इतना समय ले रही है। हालांकि इस बार पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष के पद के तलबगार नेताओं की कतार भी लंबी है। नरोत्तम मिश्रा से लेकर अरविंद भदौरिया तक तमाम पार्टी के कद्दावर मंत्रियों से लेकर मौजूदा डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल का नाम भी प्रदेश अध्यक्ष के पद के लिए चर्चा में है। बाकी विधायक हेमंत खंडेलवाल का नाम इनमें सबसे मजबूत माना जा रहा है। जो निर्णय जनवरी में हो जाना चाहिए था वो अप्रैल तक नहीं हो सका है। हालांकि इसकी एक वजह ये भी है कि भाजपा में कोई भी निर्णय बहुत चिंतन मनन के बाद होता है। अभी मध्य प्रदेश में निकट भविष्य में चुनाव भी नहीं है, लेकिन पूरे बीस साल बाद सरकार का चेहरा बदला है। तो पार्टी सामंजस्य का भी ध्यान रखेगी और उसी आधार पर निर्णय लिया जाएगा। इस देर की एक वजह ये भी हो सकती है। हालांकि भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष के फैसले को लेकर हो रही देरी पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल का कहना है भाजपा मे हर निर्णय पूरी प्रक्रिया से होता है।

लोकायुक्त-ईओडब्ल्यू की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

जांच पूरी होने के बाद भी खोली जा रही रही फाइलें

भोपाल। मप्र में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की जांच पर लगातार सवाल उठते रहते हैं। कई बार तो ऐसी स्थिति बन जाती है कि जांच पूरी होने के बाद भी अदालत के हस्तक्षेप से फाइलें खोलनी पड़ती हैं। पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के विरुद्ध अनुपातहीन संपत्ति का मामला हो या फिर आजीविका मिशन घोटाले के आरोपित ललित मोहन बेलवाल का या दूसरे प्रकरण हो, जांच एजेंसियां लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की कार्रवाई पर कई बार सवाल उठते रहे हैं।

लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की जांच को लेकर विपक्ष सरकार को घेरता रहता है। इसकी वजह है की जांच एजेंसियां छोटे कर्मचारियों पर तो तत्काल कार्रवाई कर देती हैं, लेकिन बड़े अफसरों के मामले दबे रहते हैं। ऐसे ही मामलों को लेकर विपक्ष सड़क से सदन तक मुद्दे उठाता है। सरकार की घेराबंदी भी होती है, पर कई बड़े मामलों की कार्रवाई में तेजी नहीं दिखती। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण हैं, जब आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच नहीं हुई तो शिकायतकर्ता को हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। ताजा मामला पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन का है, जिसमें शिकायतकर्ता पूर्व विधायक किशोर समरोते ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की, तब जांच प्रारंभ हुई।

जांच पर उठ रही आंच

प्रदेश में ऐसे मामले भी हैं, जब जांच एजेंसी ने पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने का हवाला देकर कोर्ट में खात्मा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी, पर कोर्ट ने रिपोर्ट को अस्वीकार कर दोबारा जांच करने के लिए कहा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में नियुक्तियों में गड़बड़ी और अन्य मामलों में पूर्व कुलपति बीके कुठियाला की जांच बंद करने के बाद कोर्ट के निर्देश पर ईओडब्ल्यू को वर्ष 2022 में फाइल फिर खोलनी पड़ी। मामले में कुठियाला सहित विश्वविद्यालय के 19 लोगों को आरोपित बनाया गया था। इसमें नियुक्तियों में गड़बड़ी और आर्थिक अनियमितता का आरोप था। लगभग तीन हजार करोड़ के बहुचर्चित ई-टेंडर घोटाले में ईओडब्ल्यू ने विशेष न्यायालय में वर्ष 2024 में खात्मा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कुछ बिंदुओं पर नए सिरे से जांच करने के लिए कहा था, जिसकी जांच जारी है। मामला वर्ष 2018 में शिवराज सरकार के समय सामने आया था, जिसमें वर्ष 2019 में कमल नाथ सरकार के समय केस दर्ज हुआ था। ई-टेंडर में छेड़छाड़ कर चहेती फर्मों को लाभ पहुंचाने का आरोप था। तत्कालीन जल संसाधन मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा के निज सहायक वीरेंद्र पांडे और निर्मल अवस्थी भी आरोपित थे। ईओडब्ल्यू ने दोनों को गिरफ्तार भी किया था। वहीं आजीविका मिशन के तत्कालीन सीईओ ललित मोहन बेलवाल के विरुद्ध लोकायुक्त में आठ शिकायतें सामाजिक कार्यकर्ता भूपेंद्र प्रजापति ने की थीं। इनकी जांच खुद बेलवाल के मार्गदर्शन में मिशन कार्यालय में हुई। जांच करने वाली आइएएस अधिकारी नेहा मारख्या ने अपनी रिपोर्ट के अभिमत में लिखा है कि जिसके विरुद्ध शिकायत की जा रही है. जब उसी के द्वारा शिकायत की जांच की जाएगी तो वह शिकायत तो निराधार बताएगा ही। अब उसी मामले में ईओडब्ल्यू ने बेलवाल सहित तीन के विरुद्ध प्रकरण कायम किया है।

सौरभ शर्मा का दबा रहा ईओडब्ल्यू में

पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा के विरुद्ध आर्थिक अपराव प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में 15 नवंबर 2024 को शिकायत हुई थी। शिकायत में तथ्यात्मक आरोप भोपाल के ही एक शिकायतकर्ता ने लगाए थे। एक माह से अधिक समय तक जांच में कोई प्रगति नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त में शिकायत की थी, जिसमें छापेमारी के बाद सौ करोड़ रुपये से अधिक की अनुपातहीन संपत्ति मिली है। आयकर विभाग और ईडी भी मामले की जांच कर रहे हैं। वहीं वर्ष 2019 तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ के करीबियों यहां पड़े आयकर छापे में मिले दस्तावेज के आधार निर्वाचन आयोग ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र को दस्तावेज भेजकर तत्कालीन तीन आइपीएस अधिकारी वी मधु कुमार, संजय माने और सुशोभन बनर्जी के विरुद्ध जांच कर कार्रवाई करने को कहा था, पर जांच आगे नहीं बढ़ी। ईओडब्ल्यू अधिकारियों का तर्क है कि आयकर विभाग से संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध दस्तावेज प्राप्त करने के लिए 25 से अधिक पत्र भेजे पर कुछ नहीं मिला। इनमें संजय माने का निधन हो चुका है। अधिकारियों को कोर्ट से स्टे मिला हुआ है। मधु कुमार और सुशोभन बनर्जी सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

डीजीपी के आदेश पर पीसीसी चीफ पटवारी ने वीडियो जारी कर कहा

सांसद-विधायक को पुलिसकर्मियों से सैल्यूट कराना लोकतंत्र पर हमला

भोपाल। कांग्रेस ने प्रदेश के पुलिस मुखिया डीजीपी कैलाश मकवाना के उस आदेश का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को सांसदों और विधायकों को सैल्यूट करने के लिए कहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि पुलिस को जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहा जाए न कि सत्ता के घमंड में पुलिस का मनोबल तोड़ने का काम कराया जाए। मोहन सरकार वर्दी को सम्मान और संसाधन दे। पटवारी ने इस आदेश को लोकतंत्र पर हमला और वर्दी का अपमान कहा है। उन्होंने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि जिस दिन यह आदेश मंजूर किया गया, उसी दिन प्रदेश की वर्दी को राजनीतिक गुलामी में धकेल दिया गया। उन्होंने सरकार से इस तरह का आदेश वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि जिस समय राज्य की कानून व्यवस्था रसातल में पहुंच चुकी हो, पुलिस खुद अपराधियों के निशाने पर हो, ऐसे समय में राज्य सरकार पुलिस को न्याय दिलाने की बजाय सत्ता के प्रतीकों के सामने झुकने का फरमान सुना रही है। यह आदेश जनतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों और संविधान की आत्मा जनता सर्वोच्च है का भी अपमान है। पटवारी ने कहा कि प्रदेशभर में रेत, शराब, भू-माफिया और ट्रांसपोर्ट सिंडिकेट खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। पिछले 6 महीने में पुलिस पर हमले की दर्जनों घटनाएं, थानों पर हमले, जवानों को पीटना, राजनीतिक संरक्षण में अपराधियों को बचाना जैसी अनेक घटनाओं ने पुलिस की साख पर सवाल खड़े किए हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं, बच्चों और दलितों के खिलाफ अपराध में मध्य प्रदेश टॉप पर है। पटवारी ने भाजपा सरकार के निर्णय से असहमति जताते हुए कहा कि पुलिस का मनोबल पहले ही कमजोर है। वह एक ओर अपराधियों से लड़ रही है, तो दूसरी तरफ भाजपा नेताओं के दबाव से जूझ रही है। और अब यह आदेश उन्हें और भी कमजोर, झुका हुआ और भयभीत बना सकता है।

संपादकीय

जनता का आक्रोश मुखर, सरकार के लिए खतरे की घंटी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 से ज्यादा पर्यटकों की हत्या कर दी। कई गंभीर रुप से घायल पर्यटकों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिन पर्यटकों का निधन हुआ था उनके शव देश भर के विभिन्न राज्यों में भेजे गए हैं। जहां पर उनका अंतिम संस्कार हो रहा है। घटना के दो से तीन दिन बाद तक मारे गए पर्यटकों का अंतिम संस्कार विभिन्न स्थानों पर हो रहे थे। इस बीच केंद्र सरकार, राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे वहां पर जनता का आक्रोश खुलकर देखने को मिला। गुजरात के शैलेश कलथिया की अंत्येष्टि में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एस आर पाटिल पहुंचे थे। वहां पर उन्हें मृतक की पत्नी के गुस्से का सामना करना पड़ा। जिस तरह का आक्रोश उसने दिखाया है, उसको देखते हुए केंद्रीय मंत्री अवाक होकर रह गए। स्थानीय लोगों का गुस्सा इस बात पर भी भड़क गया, कि फोटो खिंचवाने के लिए केंद्रीय मंत्री पहुंच रहे थे, जिसके कारण 15 मिनट तक अर्थी को सड़क पर रखना पड़ा। राजस्थान और हरियाणा में भी जब मुख्यमंत्री मृतकों को श्रद्धांजलि देने अंत्येष्टि में पहुंचे तो वहां पर भी उन्हें काफी आक्रोश का सामना करना पड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी जी को लोगों के क्रोध का सामना करना पड़ा है। पहलगाम की घटना में विभिन्न राज्यों के पर्यटकों की मौत हुई है। लगभग सभी स्थानों में जनता की ओर से गुस्से में कहा जा रहा कि यह सरकार का फेलियर है। लाखों जवान जम्मू कश्मीर में तैनात है, उसके बाद भी पर्यटक सुरक्षित नहीं हैं। जिस स्थान पर घटना हुई है वहां एक भी सुरक्षा कर्मी और पुलिसकर्मी उपस्थित नहीं थे। गुजरात की शीतल बैन ने यहां तक कह दिया- जनता के टैक्स के पैसे से नेता हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर पर चलते हैं। उनकी सिक्योरिटी में गाड़ियों के काफिले चलते हैं। टैक्स देने वालों की क्या कोई जिंदगी नहीं है। पिछले कई वर्षों से हिंदू-मुसलमान को लेकर भारत में जो शंखनाद हो रहा है। वह चरम पर पहुंचकर अब उसकी गूंज धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। इस बात को भाजपा और संघ को समझना होगा। जहां डबल इंजन की सरकार है उन्हें भी समझना होगा युद्ध के ढोल नगाड़े और शंखनाद कुछ समय के लिए ही प्रभावी साबित होते हैं। यह लोगों में आक्रोश पैदा करते हैं लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके बाद इनका कोई महत्व नहीं रह जाता है। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद तथा पहलगाम की जो घटना अभी हाल ही में हुई है, उससे भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों को सबक लेने की जरूरत है। हिंदू-मुसलमान के नाम पर गोदी मीडिया ने एक नेरेटिव चलाने का प्रयास किया था लेकिन देशभर में उसका कोई असर देखने को नहीं मिला। जम्मू-कश्मीर में पहुंच बंद रखा गया। वहां के लोग आतंकवादी घटना के खिलाफ सड़कों पर आ गए। यही स्थिति देश के विभिन्न राज्यों में देखने को मिली। सभी राजनीतिक दलों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए घटना को सांप्रदायिक रंग में रंगने नहीं दिया है। देश की जनता ने भी अपनी-अपनी जगह पर घटना का विरोध करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया है। गोदी मीडिया के खिलाफ भी अब लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों की यह धारणा बनने लगी है कि गोदी मीडिया तथ्यों को छुपाता है। हिंदू-मुसलमान के बीच अलगाव पैदा करने के लिए संयोजित रूप से नेरेटिव बनाता है। पहलगाम में हुई घटना की जिस तरह से नेशनल मीडिया ने कवरेज की है। उस पर भी जनता ने अपना आक्रोश खुलकर व्यक्त किया है। कुछ महीनों बाद बिहार के चुनाव हैं। जब भी कहीं चुनाव होते हैं उसके पहले इस तरीके की घटनाएं पिछले कई बार देखने को मिली हैं, उसके कारण अब जनता इन पर भरोसा और विश्वास नहीं कर पा रही है। जनता को भी लगने लगा है कि इस तरह की घटनाएं चुनावी रणनीति के तहत जानबूझकर कराई जाती हैं। पहलगाम में हुई घटना के बाद जिस तरह से मुसलमानों ने बढ़-चढ़कर इस घटना का विरोध किया उसने आसमाजिक और सांप्रदायिक तत्वों को स्तब्ध कर दिया है। जो सवाल विभिन्न राजनीतिक दल के नेता सरकार से करते थे अब उसी तरह के सवाल-जवाब जनता की ओर से होने लगे हैं। जनता का आक्रोश भी अब समय-समय पर देखने को मिलने लगा है। वर्तमान परिस्थितियों में सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी जिस तरह से देश में बेरोजगारी महंगाई और अन्य समस्याएं हैं। लोगों का दैनिक जीवन मुश्किल भरा हो गया है। ऐसी स्थिति में अब सांप्रदायिकता का मलहम ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएगा। समाज के सभी वर्गों का आक्रोश अब सामने दिखने लगा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जो हालात 1975 में महंगाई, बेरोजगारी के कारण बने थे, उसने सारे देश में युवाओं और सभी वर्गों को उद्वेलित कर दिया। 1975 में देश भर में आंदोलन हुए जिसके कारण आंतरिक कानून व्यवस्था खराब स्थिति में पहुंच गई थी जो बाद में आपातकाल का कारण बनी। लगभग वही स्थितियां अब दिखने लगी हैं। विशेष रूप से युवाओं में सरकार के प्रति नाराजी देखने को मिल रही है। समय रहते इस पर नियंत्रण की जरूरत है।

- सनत जैन

राज काज

चिराग पासवान आक्रामक मुद्रा में मुख्यमंत्री बन कर रहेंगे

चिराग पासवान आक्रामक मुद्रा में मुख्यमंत्री बन कर रहेंगे बिहार की राजनीति मौसम की तरह बदल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद पर समय पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हनुमान चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा जता दिया है। बिहार बीजेपी में भी मुख्यमंत्री का सपना देखने वाले कई नेता हैं। जद नेता ललन सिंह भी तैयारी कर रहे हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी भी मुख्यमंत्री पद पर दावा जता रहे हैं। भाजपा के आधा दर्जन नेता इस दौड़ में शामिल हैं। इंडिया गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में तेजस्वी के नाम पर सहमति दिख रही है। बिहार में इस बार युवा मुख्यमंत्री बनेगा। इसकी बिसात बिछा दी गई है। प्रशांत किशोर ने चिराग पासवान को आईने में उतार लिया है। बिहार में जिस तरह से चुनाव के पहले एनडीए गठबंधन में जूत-पेजार हो रही है। उसको देखते हुए लगता है, इस बार बिहार के विधानसभा चुनाव परिणाम आश्चर्यचकित करने वाले होंगे।

पहले अंडा या पहले मुर्गी, संविधान बड़ा या संसद ?

इन दिनों संविधान बड़ा है, या संसद बड़ी है। इसको लेकर देश में सरकार ने कोहराम मचा रखा है।संविधान नहीं होता तो संसद भी नहीं होती। संविधान नहीं होता तो राष्ट्रपति भी नहीं होता। संविधान से विधायिका है। संविधान से कार्यपालिका है। संविधान से ही न्यायपालिका है। संविधान ने न्याय पालिका को सबसे ऊपर रखा है। कर्ता के रूप में विधायिका और कार्यपालिका है। यदि यह अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन नहीं करें, तो इनके ऊपर न्यायपालिका का अंकुश है। अंकुश नहीं होगा तो विधायिका और कार्यपालिका दोनों ही बेलगाम हो जाएंगे। संविधान ने इन दोनों पर लगाम लगाकर उनके सीधे चलने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को विशेष अधिकारों के साथ दी है। न्याय पालिका बेलगाम हो, तो संविधान ने उसका भी इंतजाम किया है।इसे तथ्य को सभी को समझना होगा। हाथी के ऊपर बैठा महावत हाथी नहीं हो सकता है। महावत अंकुश से हाथी को जरुर नियंत्रित कर सकता है। संविधान ने न्यायपालिका को महावत के रूप में रखा है।

मोदी और बेंस के बीच की गुफ्तगू, चीन को पसंद नहीं

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस भारत की यात्रा पर थे। उनके साथ उनका परिवार भी था। भारतीय मूल की पत्नी के साथ वह अपनी ससुराल आए थे।बेंस के ससुराल प्रेम से चीन सावधान हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी और बेंस के बीच व्यापार को लेकर चर्चा हुई।अमेरिका भारत से अपना व्यापार बढ़ाना चाहता है।चीन अपना व्यापार भारत के साथ किसी भी कीमत पर कम करने के लिए तैयार नहीं है। वह भी उस स्थिति में जब अमेरिका सोत बनकर चीन को परेशान कर रहा है। चीन ने तुरंत भारत को धमकी दे दी। यदि चीन के हितों में विपरीत असर पड़ा तो इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ेगा।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस पर विशेष

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

सुविचार

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।

- जॉर्ज वीनवर्ग

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

- चाणक्य

प्रसंग

त्याग का तप

जब मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तो विभीषण की राय पर हनुमान सुषेन वैद्य को ले आए। वैद्य जी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की सलाह दी, पर यह शर्त भी रखी कि अगर सूर्योदय से पहले लक्ष्मण को संजीवनी नहीं पिलाई गई तो वह जिंदा नहीं बचेंगे । यह काम हनुमान को सौंपा गया। जब हनुमान पूरे धवल गिरि को उठाए अयोध्या से गुजर रहे थे, तो उन पर भरत की दृष्टि पड़ गई । भरत ने सोचा कि राम की अनुपस्थिति में कोई राक्षस अनिष्ट करने की मंशा से राज्य के ऊपर मंडरा रहा है। उन्होंने धनुष-बाण उठाया और हनुमान पर निशाना साध दिया । बाण लगते ही हनुमान धरती पर आ गिरे और कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए । भरत को बहुत ग्लानि हुई । कुशल क्षेम पूछने के बाद भरत ने कहा, आपको सूर्योदय से पहले लंका पहुंचना है और दूरी बहुत ज्यादा है। मेरे बाण पर बैठ जाइए, इससे आप तुरंत ही राम के पास पहुंच जाएंगे। हनुमान ने कहा, राम का नाम लेने में जितनी देर लगती है, उतने ही समय में मैं लंका पहुंच जाऊंगा। इस बीच सभी रानियां भी आ गईं। दुखद समाचार सुनने के बाद कौशल्या ने राम के लिए संदेश दिया कि चाहे जो हो जाए, अगर लक्ष्मण जीवित न बचा तो तुम भी कभी अयोध्या मत आना । इसके बाद कैकेयी ने । कहा, 'राम! वन में भटकते-भटकते बहुत दिन बीत गए हैं । अब तुम अयोध्या लौट आओ, अब मैं भरत को तुम्हारी जगह युद्ध के लिए भेज रही हूं। सुमित्रा से रहा नहीं गया । वह बोलीं, लक्ष्मण के प्राण नहीं बचे तो कोई बात नहीं। तुम चिंता मत करना । उसका एक भाई शत्रुघ्न है, जल्दी से स्थिति के बारे में बताओ ताकि मैं तुम्हारी सेवा में उसे भेज सकूं।

पहलगाम की घटना में साजिश की खतरनाक बू

डॉ.भरत मिश्र प्राची

पहलगाम की घटित घिनौनी घटना जहां पहली बार जाति धर्म की आड़ में पर्यटन के लिए गये निर्दोषों पर आक्रमण हुआ जिसमें चली गोली से कई की घटना स्थल पर हीं मृत्यु हो गई, कई गंभीर हालत में घायल हो गये जिन्हें अस्पताल तत्काल पहुंचाया गया है। इस घटना को लेकर पूरा देश चिंतित है,आक्रोशित है। पक्ष विपक्ष आज की स्थिति में एक मंच पर खड़ा है, उचित कार्रवाई के लिए सरकार के साथ है। इस तरह के हालात देशहित में है। केंद्र सरकार भी इस तरह की घटना को लेकर गंभीर एवं सजग है। आतंकवाद को बढ़ावा देने एवं आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले पड़ोसी राष्ट्र पाक से सभी राजनैयिक, सामाजिक संबंध पर तत्काल रोक लगाकर भारत सरकार द्वारा उसे चेतावनी फिलहाल दे दी गई है। पाक में फिलहाल हलचल है। भारत पाक के आपसी संबंध इस घटना को लेकर काफी बिगड़ चुके है।देश में आतंकवाद की घटनाएं लगातार कई वर्षों से घटित हो रही है। आतंकवाद मचाने वाले आतंकवादियों की न तो कोई जाति होती है, न कोई धर्म पर पहलगाम की आतंकवादी कार्रवाई में पहली बार ऐसी घटनाक्रम ने जन्म लिया जहां जाति धर्म पूछ पूछकर निर्दोष पर अंधाधुंध गोली चलाई गई। जहां एक नई खतरनाक साजिश की बू आ रही है।

जिसकी लपेट में भारत पाक संबंध में तनाव आने के साथ-साथ देश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की संभावनाएं ज्यादा प्रबल नजर आ रही है। देश में इन दिनों हिन्दुत्व को लेकर एक नया माहौल भी उभरता नजर आ रहा है जहां देश के संत समाज तेजी से भारत को हिन्दुत्व राष्ट्र बनाये जाने की मांग करने लगा है। कुछ प्रवचक अपने धार्मिक प्रवचन, सत्संग में इस मुद्दे पर ज्यादा हीं जोर देने लगे है। ऐसे माहौल को राजनीतिक हवा भी मिलने लगी है। जो भारत के साम्प्रदायिक सद्भाव पर चोट कर सकते है। संत समाज को प्रवचन से राजनीतिक प्रसंग को दूर रखना देशहित में ज्यादा बेहतर हो सकता है। जिस देश की संस्कृति में सद्भाव की गंगा बहती हो जिसके संविधान में सभी धर्मों का सम्मान समाहित हो, जिसके राष्ट्र गीत में सभी के प्रति समादर समाहित हो वहां हिन्दुत्व राष्ट्र की बात करना कितना उचित होगा, विचारणीय है। कहीं इस तरह के उभरे हालात की आड़ में पहलगाम की घटना को अंजाम दिया गया हो, जिसके पीछे साजिशकर्ताओं की भारत की एकता को तोड़ने की खतरनाक साजिश समाहित हो। पहलगाम की घटित घटना पर गंभीरता पूर्वक विचार करने की जरूरत है। कहीं जल्दबाजी में लिया गया निर्णय साजिशकर्ताओं की सोच को सकरात्मक रुप न दें, इस पहलू पर पैनी नजर से विचार विमर्श कर उचित निर्णय लिए जाने की जरूरत है जो देश की एकता, आपसी सामंजस्य, सद्भाव बनाए रखने में मददगार साबित होकर साजिशकर्ता की साजिश को नेस्तनाबूद कर दे ।

जरा हटके

ब्रिटेन के ऑक्सफोर्डशायर में शोधकर्ताओं ने खोजा, डायनासोर हाईवे

लंदन (ईमएस)।

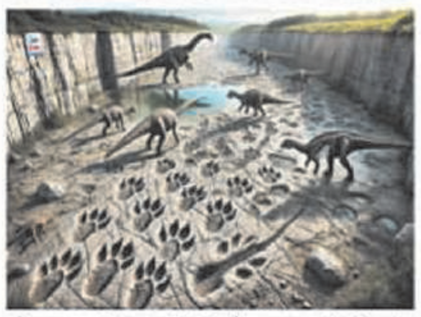

ब्रिटेन के ऑक्सफोर्डशायर में डायनासोर के पैरों के निशान खोजे गए हैं, जो करीब 166 करोड़ साल पुराने हैं। यह निशान सैकड़ों डायनासोर के फुट प्रिंट हैं, जो एक समय में क्षेत्र से गुजरते थे। वैज्ञानिकों के अनुसार,ये फुट प्रिंट खदानों के भीतर दबे हुए थे और इन्हें अब डायनासोर हाईवे के नाम से जाना जा रहा है। शोधकर्ता ने बताया कि चार ट्रैक शाकाहारी डायनासोरों के हैं और एक ट्रैक मांसाहारी डायनासोर मेगालोसौरस का है।

दरअसल ऑक्सफोर्ड और बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने इंग्लैंड के क्वॉरी स्थित खदानों में खुदाई की। टीम ने डायनासोर के करीब 200 फुट प्रिंट खोजे और इन्हें रिकॉर्ड किया। सबसे लंबा ट्रैक करीब 150 मीटर लंबा है, जो शाकाहारी सॉरोपॉड डायनासोर के पैरों के निशान हैं।

एक और ट्रैक में मांसाहारी डायनासोर के तीन पंजों के निशान हैं। ये फुट प्रिंट 166 करोड़ साल पुराने हैं। अब सवाल ये उठ रहा हैं कि क्या डायनासोर एक-दूसरे से मिलते थे? एक दिलचस्प तथ्य यह है कि इन मांसाहारी और शाकाहारी डायनासोर्स के ट्रैक एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए दिखाई देते हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या ये डायनासोर एक-दूसरे से मिलते थे, या क्या उनका बर्ताव एक-दूसरे के साथ दोस्ताना था या दुश्मनी थी? इस खोज से वैज्ञानिकों को डायनासोर्स की जीवनशैली, उनके चलने की गति, उनका आकार, और उनके बीच के रिश्ते को समझने का मौका मिलेगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक का कहना है कि यह रिसर्च बहुत बारीक है और यह दिखाता है कि डायनासोर के पैरों के मिट्टी में धंसने से मिट्टी का क्या असर पड़ा होगा।

फोटो ऑफ द डे

POLICE
POLICE
EMS

फ्रांस में चाकूबाजी में एक छात्र की मौत के बाद इलाके को घेरे हुए पुलिसकर्मी। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

नमकहीन नमकीन

सरोजिनी प्रीतम

सूरजमुखी ने देखा कि जब से घर में दावत हुई थी, उसके पति का चैन हराम हो गया था, नींद की गोली खा लेने के बाद भी वे करवट पर करवट बदलते रहे, फिर उठकर चहलकदमी करने लगे। उनका मन डोल रहा था, शरीर चल रहा था। अजीब-सी हरकत हो रही थी। बचा-खुचा सामान भी दावत में हुई गुलछर्रेबाजी की घोषणा कर रहा था। पति की यह हालत देखकर सूरजमुखी ने उनके मस्तिष्क में बसी सौंधी गंध को बाहर निकाल देने के लिए अपने प्रवचन आरंभ किए।

सूरजमुखी ने अपना पीला पल्ला डुलाते हुए पति का कबीर रहीम आदि का दोहा प्रेम जागृत करते हुए, अपना हिंदी ज्ञान बघारना शुरू किया तथा बोली, %%पकौड़ा-कचौड़ी, परांठा का मोह व्यर्थ है। तली चीज़ की ओर आँख उठाकर भी मत देखो प्रिय! इंद्रियाँ भटकती हैं। भटके हुए को राह पर लाना बहुत कठिन है। हे प्रिय आपने तो हमेशा खाने की चीज़ों पर अपना अधिकार समझकर चखने में ही आधे से अधिक खा लेने का अटल निर्णय कायम रखा। कोई भी वस्तु न छोड़ी। बिना तली तुम्हें कोई सब्ज़ी न भाई। गोभी के गुच्छे, आलू के कटावदार छल्ले, परांठे, पकौड़ी की भरमार और हर समय अपच और गैस के शिकार होकर भी, तुमने अपने खाने पर टूट पड़ने की प्रवृत्ति को न रोका। गुलछर्रे उड़ाते रहे। मेरे बार-बार समझाने पर भी तुमने जब खाने-पीने के प्रति ऐसी ही लापरवाही दिखाई जैसी मेरे प्रति दिखाते रहे तो तुम्हारे अपने शरीर ने ही प्रतिक्रिया शुरू कर दी। वही जब बग़ावत पर उतर आया तो तुम्हारे सारे मनाही के अस्त्र-शस्त्र धराशायी हो गए। धन्य है तुम्हारे शरीर की यह प्रतिक्रिया जो हर अवांछित तत्व के प्रति अपना रोष प्रकट करके भिन्न रोगों का रूप धारण करके, भयभीत करने के, परहेज के नए-से-नए तौर-तरीके अपनाता है। हर लापरवाही को भीषण और घातक रूप दे-देकर खतरे की ऐसी घंटी बजाता है कि फिर वह खतरा भी एक दुधारी तलवार का रूप धारण कर लेता है। अब तुम्हारे इस रक्तचाप की दुधारी तलवार तुम्हारे सिर पर कच्चे धागे से बँधी हमेशा लटकी रहेगी। अतः अब ज़रा-सी भी असावधानी कई रंग दिखा सकती है। हे प्रिय खाना-पीना बहुत ही तुच्छ है, वह त्याज्य है। जो त्याज्य है उसे ग्रहण ही क्यों करो? क्योंकि उसे ग्रहण करते ही तुम्हें ग्रहण लग जाएगा। जब तक मन में ऐसी भावना घर न कर जाए कि यह अवांछनीय है, त्याज्य है... तब तक हमारा मोह बना रहता है।

कबीरदास हों, रहीम जी हों, या अन्य कोई भी महान दोहा, छप्पय, कुंडलियाँ लिखनेवाला, वे सब के सब नदी किनारे बैठे साधना करते थे। सत्तू का भोजन, अंकुरित दालें और बकरी के दूध पर अपना गुज़ारा करके देश को एक स्वस्थ साहित्य प्रदान कर गए। स्वस्थ तन में ही तो स्वस्थ विचारों का वास होता है। सोचो तो आपके मन-मस्तिष्क पर हमेशा हलवाई और होटलों के भोजन हावी रहे। हर उसांस में परांठे और कचौड़ी समाई हुई, हर बात में चटनी और चाट-पकौड़ी समाहित थी अतः तुम्हारे भीतर यह सब चुपचाप अपनी चाप छोड़ते गए और तुम्हारे शरीर के चप्पे-चप्पे में इस चाप के चिह्न यों छूटते गए कि धमनियों का रक्त उन्हीं चिह्नों पर चलने लगा। ऊँचे विचार और ऊँचे रक्तचाप में मूलतः वैभिन्नय है अतः मन को मार लो, इस मुख को इन सबसे विमुख कर लो।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है।

दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

स्वास्थ्य

गांजे का सेवन गंभीर बीमारी से कर सकता है ग्रस्त, रिसर्च में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक अंतरराष्ट्रीय शोध में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि गांजे (मारिजुआना) का सेवन करने वाले लोगों में अगले पांच वर्षों के भीतर डिमेंशिया (याददाश्त से जुड़ी बीमारी) होने का खतरा 23 प्रतिशत अधिक होता है। इस अध्ययन में 60 लाख से अधिक लोगों के डेटा तैयार किया गया, जिसमें पाया गया कि जिन लोगों को गांजे के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उसमें डिमेंशिया का जोखिम सामान्य लोगों की तुलना में कहीं अधिक था। मनोविश्लेषक के अनुसार, डिमेंशिया कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति की याददाश्त, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह स्थिति सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन दोनों को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में गांजे की पोटेंसी (नशे की तीव्रता) काफी बढ़ गई है। गांजे में मौजूद रसायन टीएचसी की मात्रा अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा हो गई है, जो शरीर और दिमाग दोनों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके कारण दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट, स्ट्रोक, मांसपेशियों की सूजन जैसी गंभीर समस्याएं देखी गई हैं। रिसर्च के अनुसार, 45 से 64 वर्ष की उम्र वाले लोगों में गांजे के कारण अस्पताल जाने के मामले 5 गुना बढ़े हैं, जबकि 65 वर्ष से अधिक उम्र वालों में यह संख्या 27 गुना तक पहुंच गई है।

यूएनएससी ने की पहलगाम हमले की निंदा, कहा- दुनिया के लिए खतरनाक है आतंकवाद

जिनेवा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में की गई है। यूएनएससी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक करार दिया। यूएनएससी ने बयान जारी कर पहलगाम हमले की निंदा की, जिसमें कहा गया, सुरक्षा परिषद के सदस्य 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की सबसे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई घायल हुए। हमले में एक नेपाली नागरिक भी मारा गया था। बयान में भारत और नेपाल सरकारों, जिनके नागरिक इस हमले में मारे गए, के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इस 'घृणित आतंकवादी कृत्य' के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यूएनएससी अध्यक्ष की ओर से सभी 15 सदस्यों की ओर से मीडिया को बयान दिया गया। पाकिस्तान वर्तमान में यूएनएससी में एक अस्थायी सदस्य के रूप में बैठता है। यूएनएससी सदस्यों ने पीड़ितों के परिवारों और भारत और नेपाल की सरकारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने इस 'घृणित आतंकवादी कृत्य' के अपराधियों, आयोजकों, फंडिंग करने वालों और स्पॉन्सर्स को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।यूएनएससी ने जोर देकर कहा कि हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उसने सभी देशों से अपील की कि वे इस मामले में सहयोग करें। हर देश को अंतरराष्ट्रीय कानून और यूएनएससी के प्रस्तावों के अनुसार काम करना चाहिए। सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से मिलकर कार्रवाई की जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने साफ कहा है कि आतंकवाद किसी भी रूप में, कहीं भी, और किसी की ओर से भी किया जाए, वह अपराध है और किसी भी हाल में उचित नहीं ठहराया जा सकता। परिषद ने दोहराया कि इसकी कोई भी वजह या प्रेरणा इसे जायज नहीं बना सकती।

इक्वेडोर में आये भूकंप के बाद अपने ध्वस्त घर के सामने खड़ा एक परिवार।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने दुनियाभर से पहुंचे प्रतिनिधि

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की

वेटिकन सिटी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर बेसिलिका में दिवंगत पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू, अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा के साथ, पोप के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए वेटिकन पहुंची हैं। पोप फ्रांसिस को अंतिम विदाई देने दुनियाभर से राष्ट्राध्यक्ष और उनके प्रतिनिधि पहुंचे हैं।

यहां राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, वेटिकन सिटी में सेंट पीटर बेसिलिका में परम पावन पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी महान सेवा और आध्यात्मिक नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।

पोप फ्रांसिस, जिनका 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था, के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए कम से कम 130 विदेशी प्रतिनिधिमंडल पहुंचे हैं। इनमें 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 राजघरानों के सदस्य शामिल हैं। पोप को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख वैश्विक हस्तियों में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के राजा फेलिप सिक्स्थ और रानी लेटिजिया, तथा ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा जैसे नाम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एक्स पर अपनी श्रद्धांजलि में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, परम पूज्य पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं। वह करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक थे। उनका जीवन गरीबों और वंचितों की सेवा के लिए समर्पित था। भारत के प्रति उनका विशेष स्नेह हम हमेशा संजोकर रखेंगे। उनकी आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें।

यौन शोषण की प्रमुख पीड़ितों में से गिफ्रे ने की खुदकुशी

वाशिंगटन। वेश्यावृत्ति के आरोपी अमेरिकी अरबपति जेफरी एपस्टीन के यौन शोषण की प्रमुख पीड़ितों में से एक वर्जीनिया गिफ्रे ने 41 साल की उम्र में खुदकुशी की है। उनके परिवार ने बताया कि उनकी मौत ऑस्ट्रेलिया के नीरगैबी में हुई है। गिफ्रे यौन शोषण और तस्करी के खिलाफ एक मजबूत आवाज थीं, खासकर एपस्टीन और उसके समर्थकों के खिलाफ उन्होंने अपनी आवाज उठाई थी।

गिफ्रे ने पुलिस को अहम जानकारी दी, जिसके बाद एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को दोषी ठहराया गया। उनके परिवार ने अपने बयान में कहा, हम बेहद दुखी मन से यह ऐलान करते हैं कि वर्जीनिया का कल रात अपने खेत में निधन हो गया। यौन शोषण और यौन तस्करी का आजीवन शिकार होने के बाद, वर्जीनिया ने आत्महत्या कर ली।

परिवार ने गिफ्रे को यौन दुर्व्यवहार और यौन तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक योद्धा बताकर कहा कि दुर्व्यवहार का बोझ इतना भारी है कि वर्जीनिया सह नहीं सकीं।

किशोरी के रूप में ग्रिफे की मुलाकात मैक्सवेल से हुई। गिफ्रे ने बाद में आरोप लगाया कि एपस्टीन ने उसे प्रिंस एंड्रयू और मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रुनेल सहित शक्तिशाली लोगों के पास तस्करी कर भेजा था।

दुर्व्यवहार कांड में फाइनेंसर एपस्टीन ने 2019 में यौन तस्करी के आरोपों के लिए मुकदमे का इंतजार कर खुदकुशी कर ली। मैक्सवेल को जेल भेज दिया गया, जिसे 2021 में एपस्टीन के लिए कम उम्र की लड़कियों की भर्ती में शामिल होने के लिए दोषी मना गया था।

ईरान के राजई बंदरगाह पर भीषण धमाके में 406 लोग घायल

तेहरान। ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास स्थित राजई बंदरगाह पर शनिवार को हुए भीषण धमाके और आगजनी की घटना में 406 लोग घायल हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने बताया कि धमाका काफी भयावह था। उन्होंने कहा राहत एवं बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, घायल व्यक्तियों को होर्मोज़गान प्रांत के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाका बंदरगाह पर रखे कंटेनरों में हुए विस्फोट के कारण हुआ। तेल टैंक और पेट्रोकेमिकल इकाइयों की मौजूदगी के कारण आग के और भी भयावह रूप लेने की आशंका जताई गई है। उक्त घटना के वीडियो फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें काले धुएं का विशाल गुबार आसमान में उठता दिखाई दे रहा है। हादसे के बाद ईरान के सीमा शुल्क प्राधिकरण ने सभी कस्टम कार्यालयों को आदेश दिया है कि बंदरगाह के लिए निर्यात और ट्रांजिट शिपमेंट पर तत्काल रोक लगाई जाए। राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा प्रमुख यकतापरस्त ने कहा कि घायल लोगों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है।

आज का इतिहास 27 अप्रैल

1526 बाबर ने खुद को दिल्ली का बादशाह घोषित किया.

1705 औरंगजेब ने वागिनगेरा किले पर कब्जा किया.

1748 मुगल शासक मुहम्मद शाह का निधन.

1830 साइमन बोलिवार ने कोलंबिया के राष्ट्रपति का पद छोड़ा.

1878 कलकत्ता विश्वविधालय ने महिलाओं को प्रवेश देने का फैसला किया.

1909 युवा तुर्को ने तुर्की के सुल्तान अब्दुल हमीद को गद्दी से हटा दिया.

1910 लुई बोथा और जेम्स हर्जोग ने साऊथ अफ्रीकन पार्टी का गठन किया.

1960 दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति सिंगमैन री ने इस्तीफा दिया और टोगो स्वतंत्र गणराज्य बना.

1971 अमेरिकी वैज्ञानिक सैमुअल एफ.बी.मोर्स का जन्म.

1972 एमेरिकी अपोलो-16के अंतरिक्ष यात्री प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे.

1974 सोवियत विमान लेनिनग्राद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 108 लोग मारे गये.

1994 अमेरिका और छह अरब देशों ने इराक की निंदा की और अंतराष्ट्रीय प्रतिबंध बनाये रखने का समर्थन किया.

1999 उत्तरप्रदेश के बहराइच जिले में असम अवध एक्सप्रेस और बारातियों से भरी एक बस की टक्कर में 43 लोगों की मृत्यु.

प्रसंगत: मेहनत की कमाई

काशी में एक कर्मकांडी पंडित का आश्रम था, जिसके सामने एक जूते गांठने वाला बैठता था। वह जूतों की मरम्मत करते समय कोई न कोई भजन जरूर गाता था। लेकिन पंडित जी का ध्यान कभी उसके भजन की तरफनहीं गया था। एक बार पंडित जी बीमार पड़ गए और उन्होंने बिस्तर पकड़ लिया। उस समय उन्हें वे भजन सुनाई पड़े। उनका मन रोग की तरफ से हट कर भजनों की तरफचला गया। धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि जूते गांठने वाले के भजन सुनते-सुनते उनका दर्द कम हो रहा है। एक दिन एक शिष्य को भेज कर उन्होंने उसे बुलाया और कहा, 'भाई तुम तो बहुत अच्छा गाते हो। मेरा रोग बड़े-बड़े वैद्यों के इलाज से ठीक नहीं हो रहा था लेकिन तुम्हारे भजन सुन कर मैं ठीक होने लगा हूं।' फिर उन्होंने उसे सौ रुपये देते हुए कहा, 'तुम इसी तरह गाते रहना।' रुपये पाकर जूते गांठने वाला बहुत खुश हुआ। लेकिन पैसा पाने के बाद से उसका मन कामकाज से हटने लगा। वह भजन गाना भूल गया। दिन-रात यही सोचने लगा कि रुपये को कहां संभालकर रखे। काम में लापरवाही के कारण उसके ग्राहक भी उस पर गुस्सा करने लगे। धीरे-धीरे उसकी दुकानदारी चौपट होने लगी। उधर भजन बंद होने से पंडित जी का ध्यान फिर रोग की तरफजाने लगा। उनकी हालत फिर बिगड़ने लगी। एक दिन अचानक जूते गांठने वाला पंडित जी के पास पहुंचकर बोला, 'आप अपना पैसा रख लीजिए।' पंडित जी ने पूछा, 'क्यों, क्या किसी ने कुछ कहा तुमसे?' जूते गांठने वाला बोला, 'कहा तो नहीं, लेकिन इस पैसे को अपने पास रखूंगा तो आप की तरह मैं भी बिस्तर पकड़ लूंगा। इसी रुपये ने मेरा जीना हराम कर दिया। मेरा गाना भी छूट गया। काम में मन नहीं लगता, इसलिए कामकाज ठप हो गया। मैं समझ गया कि अपनी मेहनत की कमाई में जो सुख है, वह पराये धन में नहीं है। आपके धन ने तो परमात्मा से भी नाता तुड़वा दिया।'

दैनिक पंचांग

27 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

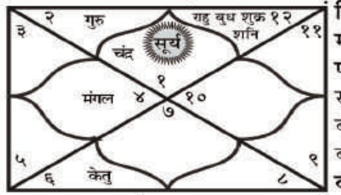

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	**वृष**	06.33 बजे से
चंद्र	मेष में	**मिथुन**	08.31 बजे से
मंगल	कर्क में	**कर्क**	10.44 बजे से
बुध	मीन में	**सिंह**	13.00 बजे से
गुरु	वृष में	**कन्या**	15.12 बजे से
शुक्र	मीन में	**तुला**	17.23 बजे से
शनि	मीन में	**वृश्चिक**	19.38 ब.से
राहु	मीन में	**धनु**	21.54 बजे से
केतु	कन्या में	**मकर**	23.59 बजे से
राहुकाल		**कुंभ**	01.45 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		**मीन**	03.18 बजे से
		मेष	04.49 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 117 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 01.01 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 00.19 बजे रात्र को समाप्त।

करण चतुष्पद 14.56 बजे तदनन्तर नाग 01.01 बजे रात्र को समाप्त।

चन्द्रायु 24.6 घण्टे

रवि क्रान्ति उत्तर 13° 51'

सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872327

जूलियन दिन 2460792.5

कलियुग संवत् 5125

कल्पारंभ संवत् 1972949123

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123

वीरनिर्वाण संवत् 2551

हिजरी सन् 1446

महीना सव्वाल

तारीख 28

विशेष वैशाख अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		**शुभ**	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		**अमृत**	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		**चर**	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		**रोग**	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		**काल**	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		**लाभ**	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		**उद्वेग**	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		**शुभ**	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि 30, रविवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, प्रीत योगे, गर करणे, मेष की चंद्रमा, अमावस्या 30 भरणीयाम, रवि मूल समाप्त रात्रि 12/36 सर्वार्थ सिद्ध 12/33 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, स्वाभीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, धनी होगा।

मेष राशिःकिसी शुभ समाचार मिलने से प्रसन्नता, हर्ष होगा, कार्यगति एवं व्यावसाय उत्तम होगा।

वृष राशिः मनोवृत्ति संतोषशील रहेगी, कार्यगति में अनुकूलता, चिंता कम होगी, ध्यान रखें।

मिथुन राशिः किसी प्रलोभन से हानि, मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी, कार्यगति अनुकूल रहेगी।

कर्क राशिः अनायास यात्रा में उद्विघ्नता बनेगी, स्त्री वर्ग से विवाद व परेशानी बनेगी।

सिंह राशिः विरोधियों के षणयंत्र से मानसिक परेशानी बनेनी, सतर्कता से कार्य अवश्य निपटायें।

कन्या राशिः शरीर कष्ट, लाभ, राजभय, उद्योग-व्यापार में उलझन, आंशिक लाभ होगा।

तुला राशिः धार्मिक लाभ, कष्ट, अनाप-सनाप व्यय होगा, परेशानी अवश्य ही बनेगी।

वृश्चिक राशिः राज बाधा, उलझन, यात्रा से कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट बनेगी।

धनु राशिः शत्रुभय, मुकदमे में जीत, रोगभय किन्तु व्यापार में सुधार अवश्य होगा।

मकर राशिः व्यापार में लाभ, शत्रुभय, धन सुख, धार्मिक खर्च ब?ेगा, कुछ अच्छे कार्य होंगे।

कुंभ राशिः कलह, व्यर्थ खर्च, कार्य सफलता, विरोधी असफल रहें, व्यापार में सुधार अवश्य होगा।

मीन राशिः स्वजन सुख, पुत्र चिन्ता, सुख की हानि, व्यापार की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

रूस-यूक्रेन युद्ध फिर भड़का-रूसी जनरल की मौत के बाद यूक्रेन पर ड्रोन हमले; कई की जान गई

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने एक बार फिर भयावह रूप ले लिया है। रूस की राजधानी मॉस्को के पास बालाशिखा में हुए बम विस्फोट में रूसी सेना के शीर्ष अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की मौत हो गई है। वे रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ में मुख्य परिचालन विभाग के उप प्रमुख थे। रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी ने उनकी मौत की पुष्टि की है और इसके लिए सीधे तौर पर यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है।

इस हमले ने रूस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि जनरल की हत्या राजधानी के नजदीक एक उच्च-सुरक्षित क्षेत्र में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला एक आईईडी से किया गया, जिसे जनरल की कार में लगाया गया था। जनरल मोस्कालिक की मौत के कुछ ही घंटों बाद रूस ने यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर ड्रोन हमले शुरू कर दिए। यूक्रेन के पाव्लोग्राद शहर में हुए रूसी ड्रोन हमले में एक बच्चे और 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यह हमला देर रात किया गया और इससे इलाके में भारी तबाही मची।

यूक्रेन की वायुसेना ने जानकारी दी कि रूस ने एक ही रात में छह अलग-अलग क्षेत्रों पर कुल 103 ड्रोन हमले किए। सूमी और खारकीव जैसे उत्तर-पूर्वी इलाकों में भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इन इलाकों में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है।

जुलाई के बाद सबसे बड़ा हमला

इससे पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर भी एक बड़ा हमला किया था, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी और 87 लोग घायल हुए थे। यह हमला जुलाई के बाद से सबसे घातक माना जा रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष लगातार तीव्र होता जा रहा है और अब यह व्यक्तिगत निशानों से लेकर आम नागरिकों तक को अपनी चपेट में ले रहा है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना के 10 जवानों को मार गिराया

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के मर्गाट इलाके में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के 10 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। यह हमला एक रिमोट-कंट्रोल आईईडी के जरिए किया गया, जिससे सेना का एक वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया। बीएलए ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए बयान जारी किया है। संगठन के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान की काबिज सेना के खिलाफ हमारे जारी संघर्ष का हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि बीएलए के सदस्य अक्सर बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहते हैं और पिछले कुछ दिनों में हमलों में इजाफा हुआ है। कहा जाता है कि बीएलए स्वतंत्र बलूच राष्ट्र की मांग को लेकर लगातार पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को निशाना बनाते रहते हैं।

हमले में मारे गए सैनिकों में सूबेदार शहजाद अमीन, नायब सूबेदार अब्बास, सिपाही खलील, सिपाही जाहिद, सिपाही खुर्रम सलीम सहित अन्य जवान शामिल हैं। बीएलए ने अपने बयान में कहा कि हमारे ऑपरेशन तब तक जारी रहेंगे जब तक बलूच भूमि पर कब्जा करने वाली सेना का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाता।

संक्षिप्त समाचार

कृषकों से नरवाई ना जलाने एवं उसका प्रबंधन करने किया आग्रह

दमोह। कृषि विभाग लगातार किसानों को नरवाई ना जलाने के लिए जागरूक कर रहा हैं माननीय कलेक्टर महोदय एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा नरवाई ना जलाने का अभियान लगातार मध्य प्रदेश में चलाया जा रहा है इसके अंतर्गत भारतीय किसान संघ के जिला बीज आयाम प्रमुख प्रगतिशील किसान तीरथ पटेल ने किसानों से आग्रह किया की नरवाई ना जलाएं और मूंग के किसान भूसा मशीन से भूसा बनवा के ओर जुताई करके फिर रोटावेटर करवा के बोनी कर सकते हैं जिससे नरवाई डी कंपोज्ड होकर खाद का काम करेगी और मूंग में पर्याप्त नमी बनी रहेगी जिससे किसानों को पानी कम लगेगा। तकनीकी मार्गदर्शन कृषि विज्ञान केंद्र दमोह एवं समस्त कृषि विभाग दमोह।

मुनिसुव्रत तीर्थ बाँसा तारखेड़ा पंचकल्याणक महोत्सव का भव्य समापन, 27 अप्रैल को निकलेगी गजरथ फेरी, दमोह जिले को मिलेगा एक नव निर्मित जैन तीर्थ

दमोह। बड़े बाबा कुंडलपुर का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले दमोह जिले की धार्मिक नगरी एवं आचार्य श्री 108 उदार सागर जी महाराज की जन्म स्थली बांसा मे श्री 1008 श्रीमज्जिनेंद्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ आचार्य श्री 108 उदार सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 उपशांत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य मे 21 अप्रैल से चल रहा पंचकल्याणक महोत्सव अब अपने समापन की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर 27 अप्रैल को समापन के दिन एक भव्य गजरथ फेरी का आयोजन किया जाएगा, जो सुबह 8:30 बजे से प्रारंभ होगी एवं गौरव सिंघई द्वारा जानकारी दी गई कि यह फेरी धर्म, श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम होगी, जिसमें रथ, हाथी, घोड़े व सुसज्जित झांकियाँ पंडाल के चारों और भ्रमण करेंगी। इस धार्मिक आयोजन में आप सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ अर्जित करें। आयोजक आचार्य उदार सागर दि. जैन संस्थान मुनिसुव्रत तीर्थ बांसा व निवेदक सकल दि. जैन समाज बांसा।

सेवादल ने आतंकी हमले में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मैहर। कांग्रेस सेवादल द्वारा घंटाघर चौक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धर्मेश घई, सेवादल जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र एवं केशव चौरसिया सहित अन्य कांग्रेस जनो की उपस्थिति में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले में शहीद हुए 28 भारतीय नागरिक और जवानों को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर गहरी संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर अखिल मिश्रा, रजनीश शर्मा, ऋषिकेश पांडेय, मुकेश सेन, सुषमा अर्जरिया, जनक दुलारी शुक्ला, पंकज कुशवाहा, सुनील कोरी, राजेंद्र शर्मा, अभिषेक सेन, बृजभान चौरसिया, किशन द्विवेदी, अंकित सेन एवं शिवम पांडेय सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

बड़ा अखाड़ा में परशुराम जयंती को लेकर बैठक

मैहर। बड़ा अखाड़ा मैहर में परशुराम जयंती को लेकर पुज्य संत सीताबल्लभ शरण जू महाराज की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जहांकि परशुराम जयंती को लेकर पूजा अर्चना एवं प्रसाद भोग वितरण आदि को लेकर दायित्व सौंपे गए। इस अवसर पर चपना महंत दीनदयाल शरण जू महराज, नगर अध्यक्ष पंडित सुशील तिवारी, राहुल कृष्ण शास्त्री, मनीष तिवारी, नारायण शुक्ला, दुर्गेश द्विवेदी, शुभम शुक्ला, भार्गवेंद्र उपाध्याय एवं मयंक गौतम उपस्थित रहे।

पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार जांच की मांग अपात्र 127 हितग्राहियों में 2 करोड़ की बंदर बाट

सीएमओ ए आर सांवरे द्वारा अपात्र 127 लोगों के खातों में डाले 2 करोड उसके बावजूद भी नहीं बने आवास

कार्यालय नगर परिषद खिरकि

खिरकिया। पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार की उपसचिव नगरी प्रशासन भोपाल कलेक्टर हरदा से भगवान दास सेन ने बताया कि इस मामले की निष्पक्षता से जांच कर दोस्ती लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है सीएमओ आत्माराम सांवरे 5 साल पहले 2017-18 में जब नगर परिषद खिरकिया में पदस्थ थे तब भी उनके विरुद्ध पौधे की खरीदी में बड़े पैमाने पर अनियमितता के आरोप लगाए गए थे इतना ही नहीं इनके विरुद्ध छिपाबाड पुलिस थाने में एफ आई आर भी दर्ज हुई थी जिस पौधारोपण का केस आज भी न्यायाधीश के समक्ष प्रचलन में है इसके बाद खिरकिया नगर परिषद में एवं सिराली नगर परिषद में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे हैं जिससे इन्होंने व्यापक तौर पर भ्रष्टाचार किया है जिसकी शिकायत मैंने लोकायुक्त भोपाल से भगवानदास सेन ने की थी शिकायत पर लोकायुक्त कार्यालय की टीम ने 22 5.2025 को आत्माराम सांवरे को ?5000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है तथा प्रकरण दर्ज किया है मैं आपसे पुन अनुरोध करता हूं कि ए आर सांवरे ने अपने भतीजे भांजे और सुनील राजपूत को अनुकंपा नियुक्ति चपरासी को बिना नियुक्ति आदेश के बिना सीपीसीटी सर्टिफिकेट के बाबू बना दिया है गणेश मीणा पद ट्रैक्टर ड्राइवर को बाबू बना बनाकर महत्वपूर्ण विभागों का प्रभारी बना दिया नगर परिषद सिराली एवं खिरकिया में दैनिक श्रमिक के रूप में रखकर पद का दुरुपयोग किया है एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में व्यापक तरीके से भ्रष्टाचार किया है जिसमें लगभग 127 आवास अपूर्ण है जिनको करीब 2 करोड रुपए की राशि भुगतान कर 2 करोड रुपए की मंदिर बात की गई है धरातल पर देखा जाए तो आवास नहीं बने है मुख्य सचिव उपमुख्यसचिव एवं कलेक्टर हरदा से मांग कि जिसमें बताया कि खिरकिया ,सिराली के प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में से मिलान किया जावे अपात्र लोगों को पैसा लेकर आवास योजना का लाभ दिलाया गया है तथा नियम विरुद्ध जिन लोगों को आवास की राशि दी गई है उतनी राशि ए आर सांवरे की चल अचल संपत्ति से वसूल कर राशि शासन के कोस में जमा की जावे एवं पत्र शेष बचे लोगों को उक्त राशि से लाभ दिया जाए खिरकिया नगर परिषद में सुनील नागवे अजय धारसे सहित अन्य पांच लोग को सिराली नगर परिषद में उनके पुत्र प्रवीन सांवरे भांजा ललित नागवे कार्यरत है इन लोगों को तत्काल सेवा से पृथक किया जावे तथा उनके कार्यों की उच्च स्तरीय जांच दल गठित कर जांच की जावे तथा श्री आत्माराम सांवरे को निलंबन कर नियुक्ति दिनांक से आज तक सेवा अभिलेख एवं रिकॉर्ड दस्तावेज सामग्री की खरीदी करने की नस्तियों की जांच की जावे श्रीमान से उचित कार्रवाई हेतु सदर प्रसिद्ध की है।

मन की बात कार्यक्रम आज बूथ स्तर पर आमजनों के साथ सुनेंगे कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी खुरई विधानसभा के बांदरी मंडल में बूथ क्र.239 पर कार्यक्रम में होंगे शामिल

सागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आज 27 अप्रैल रविवार को प्रातः11:00 बजे से रेडियो कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से राष्ट्र से संवाद करेंगे ! कार्यक्रम को संगठनात्मक सागर जिले के सभी 1271 बूथों पर बूथ समिती सदस्य पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं व आम जनों के साथ सुनेंगे !

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सभी बूथों पर कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आयोजित करने का आग्रह किया है जिसमें स्थानीय पदाधिकारी वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित आमजनों की सहभागिता हो साथ ही उन्होंने स्थानीय स्तर पर आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं कार्यक्रम उपरांत सभी आवश्यक जानकारी संगठन एप पर अपलोड करने का आग्रह किया है।

जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी मन की बात कार्यक्रम को खुरई विधानसभा में बांदरी मंडल के वार्ड नं 10 एवं बूथ क्र.239 पर बूथ समिती सदस्यों के साथ सुनेंगे।

जिराती परिवार की सराहनी पहल तीस गौ माता वृंदावन गौशाला होगी रवाना

खिरकिया। छीपाबड़ गोपाल जीराती के घर से दो बड़े आयशर ट्रक के द्वारा गौ माता जिनकी संख्या 30 है. वृंदावन की ओर प्रस्थान करेगी जिराती परिवार की सराहनी पहल। गौ माता अखंड वृंदावन वास यात्रा. छीपाबड़ निवासी गोपाल जीराती अध्यात्म मार्ग में सराहनी कदम उठाया आपके पास 30 संख्या के आसपास गोवंश है जिनकी सेवा 10 माह से गोपाल जीराती एवं उनके परिवार के द्वारा सेवा की जा रही है । संत प्रेरणा से प्रेरित होकर एवं वृंदावन धाम की महिमा जानकर अगर कोई पशु पक्षी या मनुष्य वृंदावन धाम में अखंड वास कर ले तो उसे निश्चित भगवत प्राप्ति हो जाती है इसी विश्वास के साथ गोवंश को वृंदावन स्थापित करने का निर्णय लिया।

वृंदावन निवासी यो से अपनी हृदय की इच्छा व्यक्त की. उनकी इस भावनाओं को जानकर वृंदावन वासी संत गलबेली शरण जी एवं राम बाबा के द्वारा सुंदर एवं सुविधाजनक गौशाला की व्यवस्था की गई है इस गौशाला में नियमित संध्याकालीन नाम कीर्तन एवं गायों की सेवा बहुत अच्छे से होती है यह अखंड वृंदावन वास यात्रा विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा विभाग स्वामी दयालानंद सरस्वतीञ्च दयाल गुरुजी महाराज के संरक्षण में हो रही है। रविवार को गोपाल जीराती के घर से दो बड़े आयशर ट्रक के द्वारा गौ माता जिनकी संख्या 30 है. वृंदावन की ओर प्रस्थान करेगी।

जो कलश यात्रा में चलते हैं सुख समृद्धि उनका साथ कभी नहीं छोड़ती: किशोरी वैष्णवी गर्ग जी

दमोह। किशोरी वैष्णवी गर्ग जी के मुखारबिंद से 26 अप्रैल से 3 मई तक शाम 3 बजे से हरी इच्छा तक हो रही हैं ,श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा से वातावरण भक्तिमय हो गया। उत्साह व उमंग के साथ कलश यात्रा में भाग लिया ।श्रीमद्भगवद पोथी अपने सिर पे लेकर चल रहे थे। कलश यात्रा में शामिल महिला-पुरुषों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी भक्त जय श्री राम ,माता रानी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। डीजे की मधुर भजनों की धुन पर युवा युवती की टोली थिरकते नाचते गाते भक्तों संग कलश यात्रा गंगा झिरिया से दसोंदी धाम पहुंची जहा विधि विधान से पंडितों द्वारा भक्तजानो ने पूजन किया कलश की स्थापना की गई। भागवत कथा के प्रथम दिवस कथा व्यास किशोरी जी ने कलश यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि कलश सुख समृद्धि का प्रतीक है जो लोग

कलश यात्रा में चलते हैं । सुख समृद्धि उनके साथ कभी नहीं छोड़ती और परमात्मा की विशेष कृपा के पात्र हो जाते हैं। श्रीमद् भागवत महात्म्य कथा एवं श्री शुकदेव आगमन, नारदजी की कथा, राजा परिक्षित को श्राप तथा विदुर कथा से वातावरण भक्ति मे सराबोर हो गया। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा का संक्षेप में श्रोताओं को सार बताते हुए कहा कि मनुष्य के जन्म जन्मांतर के पुण्यों का उदय होने पर ही श्रीमद् भागवत जैसी भगवान की दिव्य कथा श्रवण का सौभाग्य मिलता है। भागवत रूपी गंगा की धारा पवित्र और निर्मल है जो पापियों को भी तार देती है। भगवान का वामन अवतार, कपिलोपाख्यान एवं ध्रुव-चरित्रादि का वर्णन और ध्रुव कथा,को नर्सिंग अवतार पर प्रसंग 29 मई को श्रीकृष्ण जन्म, नंदोत्सव, 30 मई को कृष्ण की बाललीला, मटकी फोड़ एवं गोवर्धन पूजा,01 जून को महारास, कंसवध, रुक्मिणी- कृष्ण विवाह व 02 मई को सुदामा चरित्र, श्री शुकदेव पूजन, परीक्षित मोक्ष और 03 मई को पूर्ण आहुति भंडारा के साथ भागवत कथा का विश्राम होगा। इस अवसर पर आसपास से सैकड़ों संख्या में भक्तजन कथा का रसपान के लिए आ रहे है। मुख्य यजमान समस्त दसोंदी धाम भक्तगण आप सभी से कथा श्रवण करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की तैयारी के संबंध में मंत्री ने ली बैठक

दमोह। जबेरा विधानसभा के नगर परिषद तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी में आगामी 4 मई 2025 को होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के संबंध में स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने जनपद सभागार भवन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया जिसमें कार्यक्रम संबंधी विभिन्न कार्य योजनाओं पर चर्चा की इस विवाह समारोह के लिए अभी तक 800 से अधिक आवेदन जनपद पंचायत में जमा हो चुके हैं और अभी 30 अप्रैल तक निरंतर है प्रक्रिया चलेगी।

आतंकी हमले में मृत लोगों को कैंडिल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि

आतंकवाद मुर्दाबाद
जय श्री राम

दमोह। जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले में मृत निर्दोष लोगों के लिये जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक पर एकत्रित होकर कैन्डिल जलाकर वहीं से रैली निकालते हुए घंटाघर पहुंचकर दिवंगतो को शोक श्रद्धांजलि दी। उक्त अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा कि जिन आतंकियो ने कायराना हरकत करके निर्दोष भारतीयों को उनके परिवार के सामने ही असमय मार दिया ऐसे आतंकियों को और उन्हें शरण देने वाले पाकिस्तानियों के साथ भी वहीं व्यवहार किया जायें। मानक पटेल, तिलक सींग, रजनी ठाकुर, निधि श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, लालचंद राय, आशीष पटेल, प्रदीप पटेल, वीरेन्द्र राजपूत, नितिन मिश्रा, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, शमीम कुरैशी, बबलू भट्ट, परम यादव, कमला निषाद, बाबूलाल पटेल, सोनू जैन, वीरेन्द्र चौबे, भूपेन्द्र आजमानी, अजय जाटव, मंजीत यादव ने कहा कि पूरे देश ने उक्त हमले में मृत व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति है और भारत देश के समस्त संगठन चाहते है उन आतंकियो को सरेआम गोली मारी जाये। इस अवसर पर पार्षद विक्रम ठाकुर, राजा रौतेला, शैलेन्द्र सिंह, हेमराज, रफीक खान, अमर सिंह, मिक्की चंदेल, राजू बगीरा, बिन्दु पटोटया, अभिषेक डिम्हा, लाखन सिंह, सरफराज सिद्दीकी, रियाज खान गोपाल रैकवार, पप्पू कुशवाहा, केके अग्रवाल, हरमिन्द, राजपाल, अलीम खान, गौरव राय, अमित नामदेव, शेख वाहिद, गीता ठाकुर, नाना ज देशमुख, अशोक ठाकुर, विजय रैकवार, जावेद खान, आशीष शर्मा सहित अनेको कांग्रेसजनों की उपस्थिति रहीं।

जिला शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा कैंडल मार्च निकालकर पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

सागर। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों को मारने के विरोध में जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी के नेतृत्व में कांग्रेस जनो नें केंडिल मार्च निकलकर मृतको को श्रद्धांजली दी, इस अवसर पर सुरेंद्र चौधरी,पं त्रिलोकी नाथ कटारे,पुरषोत्तम मुन्ना चौबे,गुरजीत सिँह अहलुवालिया अमित रामजी दुबे, आशीष ज्योतिषी, संदीप सबलोक, माधवी चौधरी राम शर्मा, प्रदीप पप्पू गुप्ता, जितेंद्र रोहण, जमना प्रसाद सोनी, ताहिर खान, चमन अंसारी,, चक्रेश सिंघई, दीनदयाल तिवारी, रजिया खान, रेखा सोनी, किरणलता सोनी अवधेश तोमर रवि सोनी, अंकलेश्वर दुबे, ओमप्रकाश पाण्डेय, सिन्टू कटारे, महेश जाटव, जितेंद्र चौधरी, शैलेन्द्र तोमर, विजय साहू प्रेमनारायण विश्वकर्मा, योगराज कोरी, समीर खान, गोपाल प्रजापति शरद पुरोहित, नीलेश अहिरवार,वीरेंद्र राजे, संजष्य रैकवार, महेश

अहिरवार, कुंजी ल?िया,आनंद हेला, अंकुर यादव सागर साहू लीलाधर सूर्यवंशी, दुलीचंद सकवार भैयान पटेल, प्रांजल अग्निहोत्री आदिल रयान साजिद रायन धर्मेंद्र अहिरवार गब्बर पठान गोपी लाल यादव लक्ष्मी नारायण सोनकिया इम्तियाज हुसैन लक्ष्मी नारायण सोनकिया इम्तियाज हुसैन आदित्य चौधरी आई एम खान दीपू कोरी अमित तिवारी महेंद्र मिश्रा आदि शामिल है।

दिव्यांग शिविर का हुआ आयोजन मंत्री श्री लोधी ने पहलगाम में हुए शहीदों के लिए रखा मौन

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग मध्यप्रदेश
26.04.2

दमोह। जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत नगर परिषद तेंदूखेड़ा के जनपद सभागार में एलिम्को जबलपुर द्वारा आयोजित दिव्यांग परीक्षण शिविर का आयोजन हुए इस दौरान स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में शहीदों के लिए मौन धारण कर ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रार्थना देने की प्रार्थना की। मंत्री श्री लोधी ने बताया कि विधानसभा के अलग-अलग ग्रामों में जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र वासियों की शिविर को लेकर मांग की जा रही थी जिसके उपरांत इस दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया है शिविर में परीक्षण के उपरांत पात्र हितग्राहियों को ई-रिक्शा सहित विभिन्न सामग्री प्रदान की जाएगी एवं नवीन दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाये जा रहे हैं शिविर में 96 दिव्यांगों ने परीक्षण कराया जिसमें 46 सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकित किए गए शेष 50 के दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुए है।

राम राज्य का एक सूत्र ,शांति के रक्षार्थ क्रांति आवश्यक

मैहर। मानसपीठ खजुरीताल में आयोजित पाटोत्सव के तृतीय दिवस जगद्गुरु रामललाचार्य ने कहा कि हमारी संवाद भूमि में रस की उपज होती है। रस ही ब्रह्म है, निवेदन करूँ रस ब्रह्मानंद सहोदर है। समस्त रसों का सिंधु श्रीकृष्ण की कथा का बिंदु रूप है। यह रस, रसिक, .भावुकजनों के लिए परमहंस आचार्यो ने निर्मित किया है। जीवन को एक दिशा दीजिए और गुरुजनों एवं संतो की सानिध्य में अपने मार्ग पर निकल चलिए। राम स्वयं धर्म हैं, लेकिन लक्ष्मण का स्वरूप न्याय का है। उचित अनुचित के भेद का जब विवेक होता है तभी राम राज्य का निर्माण होता है। कथा में विशेष रूप से रामपुर विधायक विक्रम सिंह, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, दिलीप मिश्रा, गुरुवेंद्र सिंह एवं विजय द्विवेदी सहित काफी भक्तजन उपस्थित रहे। रात्रि में सांस्कृतिक आयोजन में विंध्य क्षेत्र के गुरु भजन गायक दिव्य प्रकाश वासु का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सेन समाज ने मनाई संत शिरोमणि महाराज की जयंती

मैहर। संत शिरोमणि महाराज की जयंती सरदार वल्लभ भाई पटेल मिडिल स्कूल इटमां में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक संजय सेन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भुवनेश्वर सेन एवं जवाहर सेन रहे। अध्यक्षता मैहर जिलाध्यक्ष मुकेश सेन ने की। अतिथियों द्वारा संत शिरोमणि सेन महाराज की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित की गई। मुख्य अतिथि संजय सेन ने कहा कि संत शिरोमणि सेन महाराज अपने आराध्य देव हैं उनके जीवन से हमे सीख लेना चाहिए और उनके बताए हुए मार्ग का अनुसरण करते हुए अपने जीवन पर चरितार्थ करना चाहिए। जिलाध्यक्ष मुकेश सेन ने कहा कि हम सब लोगो को सेन जयंती के अवसर पर अपने अपने घरों में सेन महाराज की पूजा अर्चना करना चाहिए लेकिन गांव में निवास कर रहे स्वजातीय बंधुओं को जानकारी न होने के कारण ऐसा नही हो पा रहा है इसलिए हमारा संगठन गांव गांव में जाकर जयंती कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसकी शुरुआत इटमा से की गई। आभार महासचिव एडवोकेट शिवम सेन ने व्यक्त किया कार्यक्रम का सफल संचालन युवा अध्यक्ष अंकित सेन ने किया। इस अवसर पर काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

कंचन खदान में डूबने से युवक की मौत

कटनी। रंगनाथनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कंचन खदान में डूबने से एक युवक की मौत हो गई है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव खोजने के लिए एसडीआरएफ टीम को बुलाया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने शव खोज निकाला। रंगनाथनगर थाना प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया कि 22 वर्षीय राहुल कोल मिर्गी की बीमारी से पीड़िता था। शुक्रवार को राहुल कोल घर से निकला था। परिजनों का कहना था कि राहुल पेमेंट लेने लिए घर से निकला था। रास्ते में जाते समय उसे मिर्गी आने के कारण वह खदान में गिर गया, जिस कारण उसकी डूबने से मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को खदान से निकलवाया और पोस्टमार्टम पश्चात परिजनों को सौंप दिया।

सादगी से मनेगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

कटनी। देश की वर्तमान परिस्थितियों और देश में जिन परिवार पर यह आपदा आई हैं, उन शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों की सहमति से चाणक्य ब्राह्मण महासभा परिवार ने इस बार भगवान परशुराम जन्मोत्सव भव्यता से ना मनाकर सादगी से मनाने का संकल्प लिया है। देश में शोक का माहौल है और वर्तमान हालात ऐसे नहीं है कि हम खुशियाँ मनाये। चाणक्य ब्राह्मण महासभा जिला अध्यक्ष रमाकांत पप्पू दीक्षित ने बताया कि जन्मोत्सव से पूर्व 28 और 29 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। तीस अप्रैल दिन बुधवार को भगवान परशुराम जी का पूजन, अभिषेक, प्रसाद वितरण ही होगा। पूर्व के सारे कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए ।

जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विधायक,महापौर एवं निगम अध्यक्ष ने किया जल मंदिर (वाटर कूलर) का शुभारंभ

उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा ग्रांड होटल फ्रीगंज के बाहर स्थापित जल मंदिर (वाटर कूलर) का शुभारंभ शनिवार को उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। गर्मी के समय को दृष्टिगत रखते हुए निगम द्वारा ग्रांड होटल, फ्रीगंज के बाहर जल मंदिर (वाटर कूलर) स्थापित किया गया है जिससे नागरिकों को प्यास बुझाने के लिए ठन्डे पानी की उपलब्धता होगी, साथ ही इस दौरान गर्मियों के समय को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए पानी एवं भोजन हेतु बर्ड फीडर एवं जल पात्र (सकोरे) का वितरण भी किया गया। जल मंदिर के शुभारंभ पर निगम अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि माननीय मुख्यमंत्री जी मंशा अनुसार जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत हमारे द्वारा आज फ्रीगंज स्थित ग्रांड होटल के बाहर वाटर कूलर स्थापित किया जाकर जल मंदिर का शुभारंभ किया गया है शीघ्र ही शहर के अन्य स्थानों पर भी जल मंदिर स्थापित किए जाएंगे। इस दौरान जोन अध्यक्ष सुरेंद्र मेहर, पार्षद श्रीमती नीलम राजा कालरा, नगर उपाध्यक्ष जगदीश पांचाल, आनंद सिंह खींची, मुकेश यादव, मंडल अध्यक्ष सतीश सिंदल, गजेंद्र खत्री, मुकेश पोरवाल, हरीश सोलंकी, परेश कुलकर्णी, अजय तिवारी, रितेश जटिया, विजय चौहान उपस्थित रहे।

र्ड क्रमांक 3 अंतर्गत नवनिर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का विधायक,महापौर एवं निगम अध्यक्ष ने किया लोकार्पण

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 03 के क्षेत्रीय पार्षद पंकज चौधरी के प्रयासों से वार्ड अंतर्गत निवासरत नागरिकों के स्वास्थ्य सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम द्वारा खिलचीपुर मंगलनगर क्षेत्र में लगभग 25 लाख रुपए की लागत से मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निर्माण करवाया गया है जिसका लोकार्पण शनिवार को विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी, मुकेश यादव, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, पार्षद प्रतिनिधि गौपाल अग्रवाल सर्व ऋषि वर्मा, सुभाष डोडिया, अशोक कैथवास एवं क्षेत्र के सम्माननीय नागरिक गण उपस्थित रहे!

गांव की बेटी बनी डॉक्टर हासिल की एमबीबीएस की डिग्री

कटनी। ग्राम बड़गांव निवासी बेटी ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर अपने माता-पिता व समाज के साथ ही अपने गांव तथा जिले का नाम रोशन किया है। आयुषी जैन अब डॉक्टर बनकर बीमारों की मदद करेंगी। विदित हो कि बड़गांव के सामान्य परिवार में जन्मी आयुषी ने एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज सहित क्षेत्रवासियों को गौरवान्वित किया है। आयुषि ने चर्चा के दौरान बताया कि उसने चिकित्सक बनने के अपने उद्देश्य के साथ कभी समझौता नहीं किया। तीन भाई-बहनों में आयुषी सबसे बड़ी बहन है। आयुषी के पिता गांव में किराना दुकान चलाते हैं तो वहीं आयुषी की मां एक गृहणी हैं। साधारण से परिवेश में जन्मी आयुषी ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी लगन और मेहनत के चलते स्वयं तथा परिवार के सपनों को पूरा किया है। आयुषी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता व गुरूजनों एवं सहपाठियों को दिया है।

प्रेरणापुंज

श्रीमती प्रमिला मिश्रा पत्नि डॉ. राकेश मिश्र जी(अध्यक्ष, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास) के जन्मदिवस पर आज वेंकटेश्वर मंदिर सतना में कदम के पौधे का वृक्षारोपण किया गया।

आइए आप भी अपने जन्मदिन पर वृक्ष लगाकर प्रकृति को हरा भरा बनायें।

महापौर निवास पहुंचे सांसद व्हीडी शर्मा ने की विकास कार्यों पर चर्चा

विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संगठन के पदाधिकारी रहे मौजूद

कटनी। कटनी प्रवास के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद बीडी शर्मा भाजपा जिलाध्यक्ष, विधायकों, जनप्रतिनिधियों एवं संगठन के अन्य पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार की शाम महापौर प्रीति संजीव सूरी के निवास पहुंचे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष श्री शर्मा ने महापौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ शहर के विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। विदित हो कि प्रदेशाध्यक्ष का शुक्रवार को कटनी आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने महापौर श्रीमती सूरी के निवास पर प्रभारी संगठन संजय साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, शहडोल जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, बहोरीबंद विधायक प्रणय पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष पीतांबर टोपनानी, राम रतन पायल, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ सुरेश सोनी, प्रवीण बजाज की मौजूदगी में शहर की आवश्यकता के अनुसार विकास कार्यों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सभी से मुलाकात की। इस दौरान शकुंतला सोनी, सीमा श्रीवास्तव, शिब्बू साहू, डॉ रमेश सोनी, गोविंद चावला, सुरेन्द्र गुप्ता, डब्बू रजक, अरुण बहलानी, संजू नाकरा, शैलेन्द्र असाटी, गोपाल गर्ग, जोगेश कनोडीया, नरेश अग्रवाल की मौजूदगी रही।

तेज आंधी में गिरा एमएसडब्ल्यू का शेड

महिला एवं 10 वर्षीय बालक की मौत

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमीरगंज के पास स्थित एमएसडब्ल्यू के कचरा प्लांट में कल दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। दोपहर करीब तीन बजे अचानक तेज आंधी तूफान चलने के बाद यहां एक बड़ा शेड भरभराकर गिर गया और इसकी चपेट में आकर एक 35 वर्षीय महिला गीता बाई वंशकार और उसके साथ 10 वर्षीय बालक इबराज वंशकार की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद हड़कम्प मच गया। बताया जाता है कि घटना के बाद में 108 एम्बुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल लेकर आया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुछ लोगों ने बताया कि तेज आंधी तूफान की वजह से यहां कचरे के ऊपर खड़ी जेसीबी मशीन के पलटने की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। माधवनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आगामी नेशनल लोक अदालत को लेकर बैठक हुई

पिपरिया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार दिनांक 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु अधिवक्ता संघ एवं बीमा कंपनी के अधिवक्ताओं के साथ शनिवार को प्री सीटिंग बैठक का आयोजन किया गया। उक्त प्री.सीटिंग बैठक में राजेश कुमार अग्रवाल प्रथम जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिपरिया के द्वारा अधिवक्ताओं को प्रेरित किया गया कि वह अपने पक्षकारों की लोक अदालत के लाभ के बारे में बताये एवं प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते के आधार पर कर प्रकरण का निराकरण करें। न्यायाधीश ने बताया कि दिनांक 10 मई 2025 दिन शनिवार को सिविल,आपराधिक, चैक बाउंस,मोटर दुर्घटना क्लेम, विद्युत,पारिवारिक विवाद,श्रम, सहकारिता एवं अन्य प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर किया जायेगा। इस अवसर पर बैंक लोन बकाया, विद्युत बिल बकाया,नगर निगम के जलकर एवं संपत्तिकर पर दी जा रही नियमानुसार छूट का लाभ प्राप्त करते हुए तहसील न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर अपने मामले का निराकरण करायें। उक्त प्री सींटिग बैठक में राजेश कुमार अग्रवाल प्रथम जिला न्यायाधीश,अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिपरिया द्वारा अधिवक्ताओं से दिनांक 10 मई 2025 दिन शनिवार को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रयास करने को प्रोत्साहित किया गया। उक्त प्री.सीटिंग बैठक में मनीष कुमार पारीक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पिपरिया,शालिनी मिश्रा शुक्ला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पिपरिया,अखिलेश चांडक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पिपरिया,दिशा चाडक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पिपरिया,कमलेश पूर्विया अध्यक्ष अधिवक्ता संघ,दंगल सिंह पटेल सचिव अधिवक्ता संघ ,बीमा कंपनी के अधिवक्ता एवं अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

शिक्षकों को व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा का प्रशिक्षण दिया

पिपरिया। अर्पण संस्था मुंबई के द्वारा विकास खंड बनखेड़ी संत रावतपुरा सरकार हायर सेकंडरी स्कूल में शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों को व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक-एक दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 24 से 26 अप्रैल 2025 तक दिया गया। जिसमें विकास खंड के 166 स्कूलों के 268 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने के लिए शिक्षकों को क्षमता वर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इसका प्राथमिक उद्देश्य बाल लैंगिक शोषण को रोकने के लिए प्रमुख हितधारकों ,शिक्षकों को बाल लैंगिक शोषण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए प्रासंगिक ज्ञान और कौशल के साथ प्रशिक्षित करना है। इस प्रशिक्षण के साथ शिक्षक माता .पिता तथा वयस्क भागीदारों के लिए इस विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित करना है। तथा बच्चों को उनकी आयु अनुरूप जानकारी देने में सक्षम बनाना है जो कि असुरक्षित परिस्थितियों का सामना करने के लिए बच्चों को प्रभावी ढंग से तैयार करेंगे और उन्हें उपयुक्त समर्थन देंगे इस तरह इस अभियान से बच्चों के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार करने में मदद मिलेगी।

मकान की तराई करते समय युवक को लगा बिजली का करेंट हुई मौत

पिपरिया। नगर के नजदीकी ग्राम धनाश्री में मकान की तराई करते समय युवक को लगा बिजली का करेंट लगने से युवक की मौत हो गई। मंगलवारा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया। मंगलवारा पुलिस थाने के एएसआई गणेश राय ने बताया कि सूचनाकर्ता हरभजन पिता मेराव ठाकुर 55 वर्ष निवासी ग्राम धनाश्री के द्वारा सूचना दी गई थी कि इसके पड़ोस में इसका रिश्ते का भाई लक्ष्मी नारायण पिता हरकिशन ठाकुर 36 वर्ष शनिवार की सुबह अपने मकान की पानी से तराई कर रहा था। उसी समय बाएं हाथ की उंगली में तराई करते समय बिजली का करेंट लग गया। करेंट की सूचना उसके लड़के राजा के द्वारा दी गई थी । जिसे सरकारी अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर के द्वारा लक्ष्मीनारायण को मृत घोषित किया गया। रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

पिपरिया। नगर में संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती सेन समाज के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाईगई। जयंती सेन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र सराठे के निज निवास पर मनाई गई। संत शिरोमणि सेन महाराज के चित्र पर माल्यार्पण,पूजन-अर्चन कर समस्त सामाजिक बंधुओं के साथ गणमान्य नागरिको और जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सेन जयंती मनाई। इस दौरान सेन समाज के जिलाध्यक्ष हरलाल सराठे ने अपनी समाज में व्याप्त कुरीतियों उनका उन्मूलन और समाज में व्याप्त विसंगतियों को कैसे दूर किया जा सकता है और उनका निवारण क्या हो सकता है। शिक्षा स्वास्थ्य राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से कैसे समाज को शीर्ष पर स्थापित हो इस दिशा में अपनी बात रखी। इस दौरान महिला मंडल के द्वारा शीतल पेय की व्यवस्था की गई तदोपरांत प्रसादी वितरण हुआ। सभी ने सेन जी महाराज के जीवन से प्रेरणा उनके जीवन सिद्धांतों को अनुकरण में जीवन में उतरने की बात कही जिससे जीवन सफल हो।

पुस्तक हिन्दी गज़ल और डॉ. किशन तिवारी का लोकार्पण

भोपाल। अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई व वनमाली सृजनपीठ भोपाल के तत्त्वावधान में वरिष्ठ गज़लकार किशन तिवारी की पुस्तक हिन्दी गज़ल और डॉ. किशन तिवारी का लोकार्पण दिनांक 26/04/25 को दुष्यंत संग्रहालय में हुआ। पुस्तक का संपादन हरेराम समीप ने की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संतोष चौबे जी ने की उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा -किशन तिवारी की गज़लों का विशाल परिदृश्य है और जनमानस की बात सहजता से कही गयी है।

आंतकी हमलें में मारे गये सभी हिन्दुस्तानियों को ऑनलाईन कियोक्सं संचालकों ने श्रद्धांजलि दी

बालाघाट। जिले के सभी ऑनलाईन कियोक्सल संचालकों द्वारा पहलगांव में हुये आंतकी हमले में मारे गये सभी हिन्दुकस्ता नियों के लिए मोतीनगर स्थित सर्च इन्फोटेक में श्रद्धांजली सभा आयोजित कर गमगीन माहौल मे अपनी संवेदनाऐं व्येक्तर की। बालाघाट जिला कियोक्सक संचालक संगठन के अध्यसक्ष राकेश वर्मा ताम्रकार जानकारी देते हुये बताया कि आंतकी हमले के विरोध के समर्थन में जिले के ऑनलाईन संचालकों द्वारा अपना पूर्ण समर्थन देते हुये अपने-अपने प्रतिष्ठोनों को पूरे दिन रखा गया। श्रद्धांजलि सभा तत्पअश्चापत कियोक्सय संचालकों की ऑनलाईन सेवाओं प्रदान करने में आने वाली समस्यापओं पर भी संक्षेप में विचार विमर्श किया गया।

जिसमें भोलेश्व र पटले ने बताया कि ऑनलाईन कियोक्सन किये जाने वाले शासकीय कार्यो को हजारों रूपये का वेतन प्राप्तब करने वाले कर्मचारियों से करवाया जा रहा है और कियोक्स संचालकों को मिलने वाली कमीशन राशि को कर्मचारियों के वेतन में साथ जोडकर दिया जा रहा है। जिसमें मुख्यर रूप से समग्र ईकेवायसी, आयुष्माकन योजना कार्ड इत्यौदि शामिल है। जिसका सभी कियोक्सक संचालकों ने एकमत होकर विरोध व्यिक्ति किया। मप्र उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेज के एडमीशन सत्र 2025-26 के कार्य को एमपीऑनलाईन के कियोक्सा संचालकों से छीनकर बैंगलौर की एक निजी कंपनी भी दिये जाने का भी विरोध बैठक में जमकर किया गया। बैठक में मुख्यि रूप से तानेश टम्भमरें, सुनील मुरकुटे, लिलेंद्र बिसेन सर, अमन दुबे, रोशनलाल लिल्हानरे, पारस बघेल, गौरव पटले, रूद्रांश ताम्रकार, निशा वामनकर, नूतन ताम्रकार सहित अन्य कियोक्सद संचालक व गणमान्यक नागरिक शामिल हुये। श्रद्धांजली सभा एवं बैठक के बाद आये हुये सभी कियोक्स? संचालक हनुमान चौक एवं कालीपुतली पर सयुंक्तस संगठनों के आंतक के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुये।

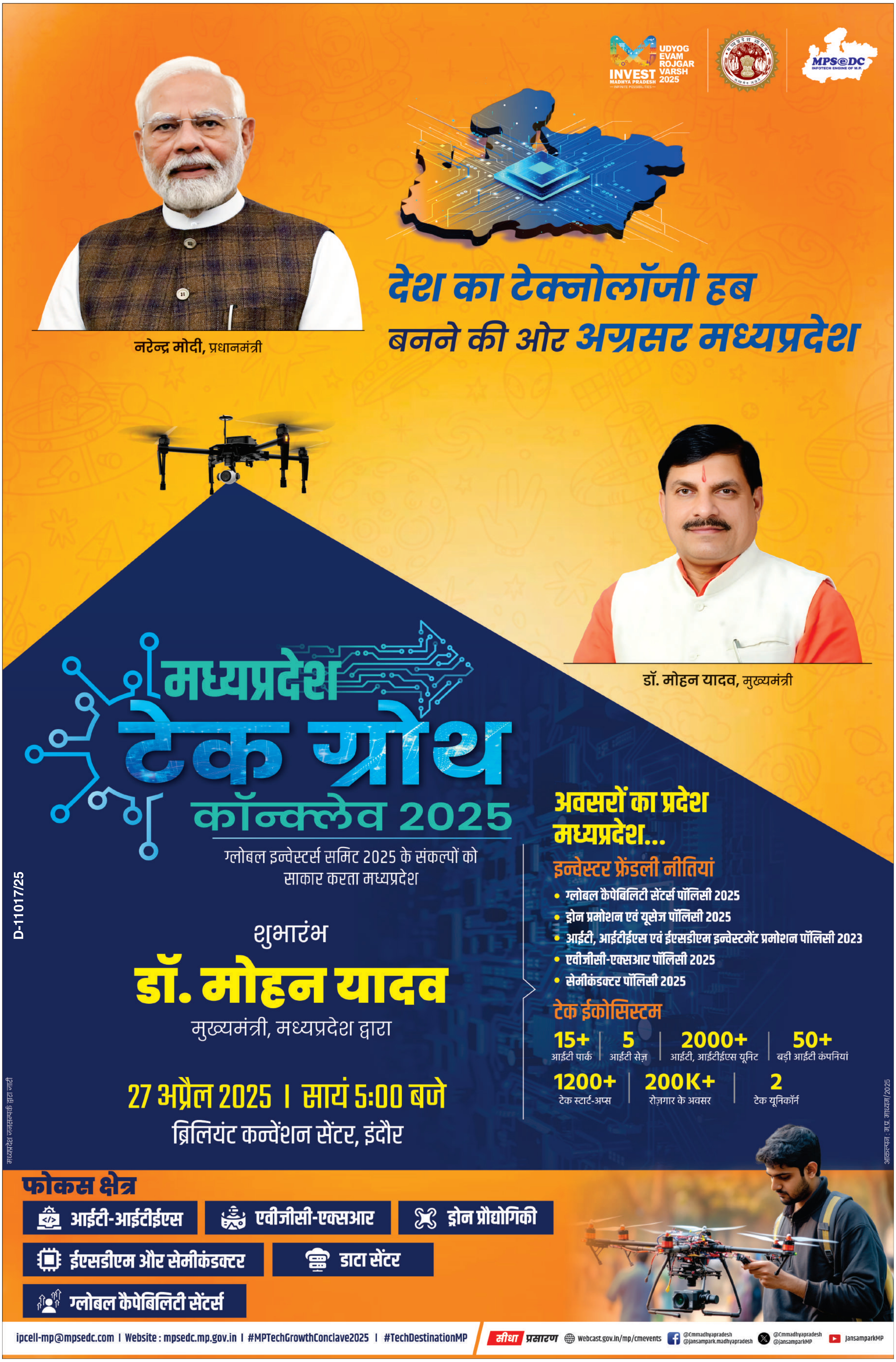

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

देश का टेक्नोलॉजी हब बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को
साकार करता मध्यप्रदेश

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा

27 अप्रैल 2025 | सायं 5:00 बजे

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर

D-11017/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

अवसरों का प्रदेश मध्यप्रदेश...

इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां

- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
- ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
- आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
- एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
- सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025

टेक ईकोसिस्टम

15+	आईटी पार्क
5	आईटी सेज़
2000+	आईटी, आईटीईएस यूनिट
50+	बड़ी आईटी कंपनियां
1200+	टेक स्टार्ट-अप्स
200K+	रोज़गार के अवसर
2	टेक यूनिकॉर्न

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

फोकस क्षेत्र

- आईटी-आईटीईएस
- एवीजीसी-एक्सआर
- ड्रोन प्रौद्योगिकी
- ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर
- डाटा सेंटर
- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स

ipcell-mp@mpsedc.com | Website : mpsedc.mp.gov.in | #MPTechGrowthConclave2025 | #TechDestinationMP

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: बालेन्द्र गुप्ता।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), **आर.एन.आई.नं. 58842/94**